राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,11फरवरी-2023 वर्ष-6,अंक-19 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बजट लीक नहीं, बीजेपी से बर्दाश्त नहीं हुआ, इसलिए बात का बतंगड़ बना दिया: गहलोत

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने विपक्ष के बजट लीक के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि पाइंट वन परसेंट भी ऐसा नहीं हुआ है। ये तो गलती से एक पेज पुराना लग गया था। ये मानवीय भूल थी। प्रमुख वित्त सचिव बजट को बनाते है और मेरे बोलते समय पता चला तो उन्होंने इशारा कर दिया और मैनें इसे पढ़ना बंद कर दिया। बाद में सॉरी भी बोल दिया। ये कोई इतनी बड़ी बात नहीं थी। गहलोत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बीजेपी से ये बर्दाश्त नहीं हो पा रहा था कि इतना शानदार बजट आने वाला है। इसलिए इन्होंने बात का बतगंड बना दिया और ऐसा नाटक किया। गहलोत ने कहा कि बजट सेंसेटिव होता है। ऐसे कोई लीक नहीं होता है। कई दिन तक अधिकारी और कर्मचारी अपने घर नहीं जाते है। बजट का हमने शानदार प्रचार किया। आज गांव गांव में लोग बजट देख रहे थे। हम इसकी जानकारी घर घर पहुंचाना चाह रहे थे। जनहित में इसका प्रचार कराया था। ये इनसे बर्दाश्त नही हुआ। जानबूझकर नाटक कर रहे थे। इस मामले में कोई दम नहीं था। गहलोत ने कहा कि इनको पता था बजट शानदार आएगा। इसकी इनको दिक्कत थी। बीजेपी इसे सहन नही कर पाए। गहलोत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि बजट में घोषणाएं कोई चुनाव के हिसाब से नहीं है। हम तो सेवा कर रहे है। जनता माई बाप है और वो चुनाव के समय फैसला करती है। लेकिन ये मैं कह सकता हूं कि इस बार मुझे ऐसा लगता है कि सरकार रिपीट होगी और हमारा काम जनता को पसंद आ रहा है।

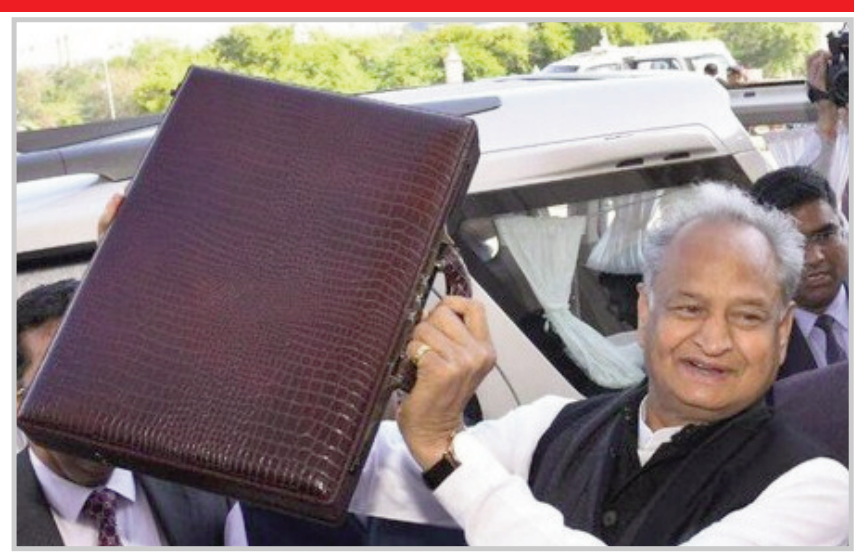

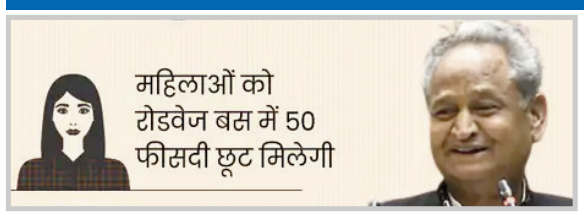

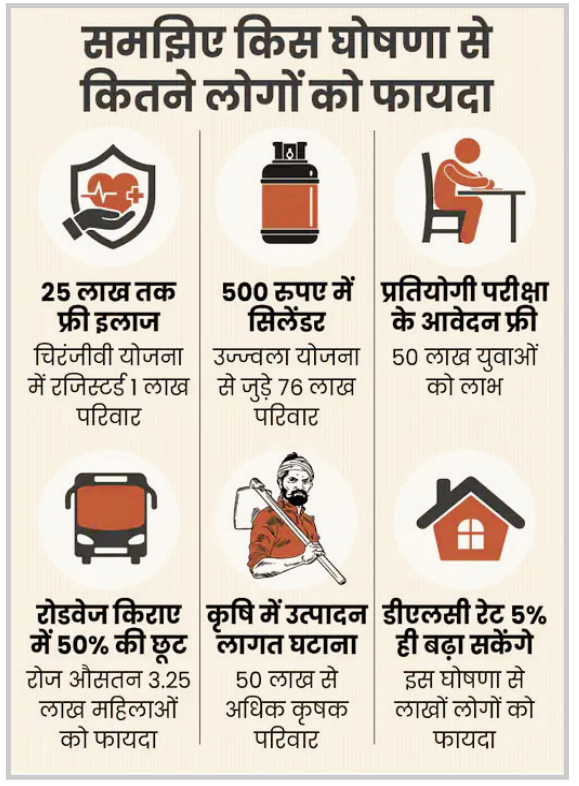

यूपी में विकास की अपार संभावनाए: अमित शाह

लखनऊ । ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां कहा कि देश में यूपी का महत्व एक नंबर पर है। इतने बड़े सूबे के विकास के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता है। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट सफल हो चुका है। इसके लिए कानून, इंफ्रास्ट्रक्चर और पॉलिसी जरूरी है। यूपी में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधर रहा है। समिट के एक सत्र को सम्बोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि योगी सरकार कड़े फैसले लेने के लिए जानी जाती है। आदित्यनाथ ने हाल के दिनों में कई कड़े फैसले लिए हैं। जिसका लाभ उनकी सरकार को मिलते हुए दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य के अंदर अगर इंडस्ट्री लानी है और इन्वेस्टमेंट लाना है तो पांच चीजें होनी चाहिए। पहला कानून व्यवस्था ठीक हो। दूसरा राज्य का इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए। तीसरा इंडस्ट्री और फाइनेंस की सुविधा हो। राज्य सरकार पारदर्शी तरीके से चलनी चाहिए। सरकार त्वरित निर्णय लेनी वाली होनी चाहिए। पहले पांचों चीजों में निराशा हाथ लगती थी, लेकिन आज योगी सरकार ने इसे जमीन पर उतारा है। उतर प्रदेश सरकार पारदर्शी तरीके से चल रही है। एक प्रकार से इंडस्ट्री और इन्वेस्टमेंट के लिए अनुकूल वातावरण बना है। योगी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है।

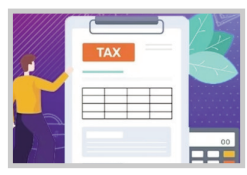

इस साल के अंत तक यूपी के हर कोने में मिलेंगी 5-जी सेवा : मुकेश अंबानी

लखनऊ । यूपी की राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय यूपी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2023 के उद्घाटन मौके पर देश के बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी ने एलान किया है कि 2023 के अंत तक उत्तर प्रदेश के हर शहर, गांव और कस्बे तक जियो की 5-जी सेवाएं पहुंच जाएंगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार और ईज आफ डूइंग बिजनेस में सुधार के कारण यूपी नए भारत के लिए आशा का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए उद्योग और सहयोग दोनों की आवश्यकता है जिसे यूपी पूरा कर रहा है। मुकेश अंबानी ने समिट के दौरान बताया कि रिलायंस उत्तर प्रदेश में अगले चार सालों में जियो, रिटेल और रिन्यूएबल बिजनेस के माध्यम से 75 हजार करोड़ रुपयों का निवेश करेगी। इससे हम एक लाख से अधिक नौकरियां देंगे। उन्होंने आगे कहा, इस साल के बजट से भारत एक विकसित देश के रूप में उभरेगा। यह अपनी तरह का पहला बजट है जिसमें देश के नींव को मजबूत करने वाले रिसोर्सेज के लिए सबसे ज्यादा पूंजी खर्च खर्च करने का प्रस्ताव है। यह देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। भारत एक मजबूत विकास पथ पर चल चुका है।

8.5 करोड़ राजस्थानियों के लिए 19 हजार करोड़ की राहत

इलाज-एग्जाम फ्री में, घर चलाना सस्ता, लेकिन पेट्रोल अब भी महंगा ही मिलेगा

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस कार्यकाल के आखिरी बजट में दिल खोलकर राहतें बांटी हैं। पिछले बजट की तरह इस बार भी नया कर नहीं लगाया गया है, बल्कि अलग-अलग घोषणाओं के जरिए 19000 करोड़ रुपए की राहतें आम आदमी को दी हैं। हालांकि कुछ लोगों को पेट्रोल-डीजल पर वैट घटाने की आस थी, जो अधूरी रह गई। गहलोत के इस बजट में बढ़ती महंगाई से लड़ने की कोशिश दिखाई दे रही है। चिरंजीवी योजना के तहत सरकारी व निजी अस्पतालों में 10 की जगह 25 लाख तक का इलाज फ्री करवाया जा सकेगा। अब 50 की जगह अब 100 यूनिट घरेलू बिजली फ्री मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा कराई जाने वाली सभी तरह की भर्ती परीक्षाएं निशुल्क कर दी गई हैं। उज्ज्वला योजना में शामिल 76 लाख परिवारों को गैस सिलेंडर 500 रुपए में मिलेगा।

बजट में मिली बड़ी राहतें

समझिए किस घोषणा से कितने लोगों को फायदा

25 लाख तक फ्री इलाज — चिरंजीवी योजना में रजिस्टर्ड 1 लाख परिवार

500 रुपए में सिलेंडर — उज्ज्वला योजना से जुड़े 76 लाख परिवार

प्रतियोगी परीक्षा के आवेदन फ्री — 50 लाख युवाओं को लाभ

रोडवेज किराए में 50% की छूट — रोज औसतन 3.25 लाख महिलाओं को फायदा

कृषि में उत्पादन लागत घटाना — 50 लाख से अधिक कृषक परिवार

डीएलसी रेट 5% ही बढ़ा सकेंगे — इस घोषणा से लाखों लोगों को फायदा

सब्जी, अनाज में तेजी पर लगाम, खेती करना सस्ता

गहलोत का ये बजट किसानों के लिए राहत भरा है। हर महीने 2000 यूनिट तक खर्च करने वाले 11 लाख किसानों को फ्री बिजली मिलेगी। 23 लाख किसानों को मुफ्त बीज किट दिए जाने की घोषणा से खेती की लागत को कम करने का प्रयास किया है। इससे बाजार में भी महंगाई पर लगाम लगेगी और अनाज व सब्जियां आदि सस्ती मिल सकेंगी।

स्कूल यूनिफॉर्म पर कोई खर्चा नहीं...

मुख्यमंत्री गहलोत ने हजारों परिवारों का स्कूल यूनिफॉर्म पर होने वाले खर्चे को भी बिल्कुल खत्म कर दिया है। उन्होंने सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को दो जोड़ी स्कूल यूनिफॉर्म फ्री देने की घोषणा की। इससे पहले स्कूल यूनिफॉर्म सिलवाने के लिए कपड़ा दिया गया था। अब सरकारी स्कूल में बच्चों को भेजने वाले परिवारों का सिलाई खर्च भी बच जाएगा। साथ ही, स्काउड-गाइड को भी रोजवेज बसों में निशुल्क यात्रा का तोहफा दिया है।

प्लॉट-फ्लैट की बढ़ती दरों को रोकने का प्रयास

गहलोत ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी (डीएलसी) को जमीनों के दाम 10त्र बढ़ाने की जगह केवल 5त्र ही बढ़ाने की छूट दी जाएगी। इससे मकान-फ्लैट या प्लॉट खरीदने वालों के लिए रजिस्ट्री ज्यादा महंगी नहीं होगी।

कोई नया टैक्स नहीं...

गहलोत ने इस कार्यकाल के पिछले बजटों की तरह इस बार भी राजस्थान की जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया। गहलोत ने अपने इस बजट की ब्रांडिंग बचत, राहत और बढ़त जैसे शब्दों से की थी, बजट भी वैसा ही पेश हुआ है।

महिलाओं का सफर और सस्ता होगा

गहलोत ने राजस्थान रोडवेज में सफर करने वाली महिलाओं के लिए सफर सस्ता कर तोहफा दिया है। सरकारी बसों अब राजस्थान सीमा के भीतर बस किराया आधा ही लगा करेगा। इससे पहले किराए में 30 प्रतिशत की छूट मिलती थी, लेकिन अब ये छूट 50 फीसदी मिला करेगी। यानी बस का टिकट 100 रुपए का है तो पहले महिलाओं को 70 रुपए देने होते थे, अब 50 रुपए ही देने होंगे।

ये बजट सबसे बड़ा क्यों

- बजट 2022-23 : बिजली, इलाज, एजुकेशन लोन सस्ते
- 50 यूनिट मुफ्त बिजली। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 150 यूनिट तक 3 रुपए और 150 से 300 यूनिट तक 2 रुपए। इससे ऊपर के कंज्यूमर को भी स्लैब के हिसाब से लाभ।
- चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना में 10 लाख तक का कवर। जरूरतमंद व्यक्तियों का कलेक्टर चिरंजीवी स्वास्थ्य कार्ड के बिना भी फायदा दिला सकेगें
- सरकारी अस्पतालों में आउटडोर और इनडोर में हर तरह का इलाज कैशलेस, कोई पैसा नहीं लगेगा।
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा की घोषणा, 5 लाख तक का एक्सीडेंट कवर मिलेगा।
- एजुकेशन लोन के दस्तावेज दिखाने पर स्टांप ड्यूटी में 100 फीसदी छूट देने का एलान
- डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी (डीएलसी) रेट 10त्र की जगह केवल 5त्र ही बढ़ी।
- बजट 2021-22 = प्लॉट,

इंडिपेंडेंट मकान, फ्लैट और दुकान सस्ते

- आवासीय और कॉमर्शियल जमीन की डीएलसी रेट को 10 फीसदी घटाया
- बहुमंजिला इमारत में 50 लाख तक के फ्लैट पर स्टाम्प ड्यूटी को घटाई, 6 की जगह 4 प्रतिशत।
- प्रतियोगी परीक्षा देने वाले युवाओं को रोडवेज में फ्री यात्रा

कोई भी नया टैक्स नहीं

50 लाख स्टूडेंट्स के लिए सभी भर्ती परीक्षा मुफ्त

राजस्थान के 40 हजार से ज्यादा स्कूल में पहली से 12वीं फ्री एजुकेशन

अशोक गहलोत ने पहले ही ये क्लियर कर दिया था कि इस बार का बजट यूथ को ध्यान में रखते हुए होगा। सरकार ने खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए आने वाले साल में पूरे प्रदेश में राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलिंपिक का आयोजन कराने का निर्णय लिया है। साथ ही, युवाओं के लिए राजीव गांधी नेशनल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम की शुरुआत की जाएगी। छात्राओं को स्कूटी योजना के तहत इलेक्ट्रिक स्कूटी वितरित की जाएगी। भर्ती परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। यह एसओजी के अधीन होगी।

राजस्थान सरकार के बजट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बार यूथ को भी बहुत कुछ दिया है। सबसे बड़ी राहत कॉम्पिटिशन एग्जाम देने वाले कैंडिडेट्स को मिली है। सभी भर्ती परीक्षाओं को मुफ्त करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इस फैसले से 50 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स को फायदा होगा। सरकार राजस्थान में महात्मा गांधी की विचारधारा इस संदेश के प्रचार-प्रसार के लिए शांति एवं अहिंसा विभाग की स्थापना करेगी। इसके तहत प्रत्येक गांव और शहरों में वार्ड स्तर पर 50 हजार महात्मा गांधी सेवा प्रेरक की भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही सेवा प्रेरकों द्वारा संविधान केंद्र का संचालन भी किया जाएगा। साथ ही, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी और आवासीय हॉस्टल भी बनेंगे। सबसे बड़ी घोषणा पहली से 12वीं तक के स्टूडेंट के लिए है। इन्हें RTE (राइट टु एजुकेशन) के तहत फ्री में पढ़ाया जाएगा। वर्तमान में करीब 40 हजार से ज्यादा स्कूल ऋज्ञश्व पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। इसमें 4 लाख से ज्यादा सीटें हैं। कॉलेज में ही कैंपस प्लेसमेंट की व्यवस्था सरकार की ओर से की जाएगी। ताकि पढ़ाई के दौरान ही नौकरी मिल जाए। प्रदेश में प्रदेश के करीब 4 हजार कॉलेज में पढ़ाई के बाद स्टूडेंट को नौकरी को मिल सकती है। इसका सीधा लाभ 20 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को मिलेगा।

राजस्थान में परीक्षा पेपर लीक को लेकर गहलोत सरकार का बजट में बड़ा एलान

जयपुर

बजट के दौरान सीएम ने पेपर लीक के मुद्दे पर गंभीरता से अपना पक्ष रखा और पेपर लीक करने वालों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेने के लिए एसओजी के अधीन एसटीएफ का गठन किया है। इस एसटीएफ में स्पेशल अफसरों को शामिल किया जाएगा जो पेपर लीक के मामलों पर सख्त कार्रवाई करेंगे। हांलाकि इस बार सरकार ने पहले ही पेपर लीक करने वालों के खिलाफ गंभीर एक्शन लिए हैं। इससे पहले सीएम ने बजट भाषण के दौरान तीसरा बार बोलना शुरू किया था। उन्होनें बजट को लेकर हुई गलती को लेकर फिर से माफी मांगी और इसे मानवीय भूल बताया। सीएम ने अन्य विभागों के लिए भी योजनाओं का पिटारा खोल दिया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में पेपर लीक को लेकर सीएम गहलोत ने इस बार पहली दफा बेहद सख्ती की हैं पेपर लीक करने वाले आरोपियों की सम्पत्ति जब्त करने के साथ ही उनकी अवैध सम्पत्ति गिराई जा रही है। उनका सहयोग करने वाले उनके परिवार के लोगों को भी गिरफ्तार किया जा रहा है। पेपर लीक करने वालों की सम्पत्ति कुर्क करने के साथ ही लीक पेपर खरीदने वाले अभ्यर्थियों को भी पूरे देश में सभी सरकारी परीक्षाओं से डीबार कर दिया गया है। इतना सख्त एक्शन राजस्थान में पहली बार पेपर लीक करने को लेकर हुआ है हुआ है।

उल्लेखनीय है कि इस बार बजट को लेकर राजस्थान में जो हंगामा हुआ है वह पहली दफा हुआ है। ऐसे में सीपी जोशी और सीएम गहलोत दोनो ने माफी मांगी है और इसे मानवीय भूल बताया है।

पुरानी बजट घोषणा को पढ़ना बड़ी चूक

वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पुरानी बजट घोषणा को पढ़ना कहीं ना कहीं अफसरशाही की बड़ी चूक है। हालांकि जैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा पढ़ने लगे तो मुख्य सचेतक महेश जोशी ने उनके कान में आकर कुछ कहा उसके बाद अशोक गहलोत ने बजट घोषणा पढ़ना बंद किया। माना जा रहा है कि इस तरह की चूक होने के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

50 यूनिट से बढ़ाकर 100 यूनिट की गई मुफ्त बिजली की घोषणा

जयपुर । राजस्थान बजट 2023 में बिजली को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा एलान किया है। सीएम गहलोत द्वारा पेश किए गए राज्य के बजट में आम लोगो के लिए मुफ्त बिजली की 50 यूनिट को बढ़ाकर 100 यूनिट करने की घोषणा की गई है। राजस्थान बजट 2023 में मुख्यमंत्री गहलोत ने नई युवा नीति में 500 करोड़ का प्रावधान किया है। बजट में 76 लाख परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही राजस्थान पेपर लीक मामले की जांच के लिए एसओजी के अधीन आधुनिक संसाधानों से सुसज्जित एसटीएफ के गठन की घोषणा की गई है। इससे पहले विपक्ष के गलत भाषण पढ़ने आरोप पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा बजट का पहला पेज गलत था। गहलोत ने कहा बजट की बड़ी गरिमा होती है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने कहा मुख्यमंत्री की जगह मैं माफ़ी मांगता हैं। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने आधा घंटे के लिए सदन को स्थगित कर दिया। विपक्ष

ने आरोप लगाया कि बजट लीक किया गया है। इसके बाद विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पुराना बजट पढ़ा है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 6 मिनट तक पिछले साल का बजट पढ़ते रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अडानी विवादः कमल पर कीचड़

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

अडानी समूह के तथाकथित भांडाफोड़ पर हमारी संसद का पूरा पिछला हफ्ता खप गया लेकिन अभी तक देश के लोगों को सारे घपले के बारे में कुछ भी ठोस जानकारी नहीं मिली है। हालांकि अडानी समूह ने सैकड़ों पृष्ठों का खंडन जारी करके दावा किया है कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है। उसका सारा हिसाब-किताब एकदम साफ-सुथरा है। भारत के रिजर्व बैंक ने भी नाम लिये बिना अपने सारे लेन-देन को प्रामाणिक बताया है लेकिन आश्चर्य है कि भारत सरकार से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के भाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए हमेशा की तरह काफी आक्रामक भाषण दिया और कांग्रेस की लगभग मिट्टी पलीत कर दी लेकिन अडानी-समूह के बारे में उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। यही बात शक पैदा करती है कि कहीं दाल में कुछ काला तो नहीं है? राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए और मोदी-अडानी सांठ-गांठ के कई उदाहरण भी दिए लेकिन एक मूल बात पर ध्यान देना जरूरी है। वह यह कि भारत-जैसे देश में क्या आर्थिक उन्नति के लिए यह जरुरी नहीं है कि सरकार और उद्योगपतियों के बीच घनिष्ट सामंजस्य बना रहे। पं. नेहरु की समाजवादी सरकार के दौरान भी टाटा, बिड़ला, डालमिया आदि समूहों की नजदीकी का पता किसे नहीं था? अडानी और अंबानी समूह कांग्रेस-राज के दौरान ही आगे बढ़े और मोदी-राज में अब वे दौड़ने भी लगे। दोनों समूह गुजराती हैं और हमारे दोनों भाई-नरेंद्र मोदी और अमित शाह- भी गुजराती ही हैं। इनका संबंध परस्पर थोड़ा घनिष्ट और अनौपचारिक भी रहा हो सकता है लेकिन यह देखना बेहद जरूरी है कि इन उद्योगपतियों को आगे बढ़ाने में कहीं गैर-कानूनी हथकंडों का सहारा तो नहीं लिया गया है? ये गैर-कानूनी हथकंडे इसलिए भी आसान बन जाते हैं कि हमारी भ्रष्ट नौकरशाही को संबंधों की फुलझड़ी दिखाकर पटाना कहीं अधिक आसान होता है। अडानी-समूह को अरबों रु. का धक्का लगभग रोज़ ही लगता जा रहा है। यदि लाखों शेयरधारकों की गाढ़ी कमाई बहने लगी तो वह गुस्सा मोदी सरकार पर ही फूट पड़ेगा। विदेशी उद्योगपति और पूंजीपति भी प्रकंपित हो जाएंगे। इसीलिए बेहतर होगा कि सरकार पर जो कीचड़ उछल रहा है, वह उसकी उपेक्षा न करे। अभी तो दिवालिया विपक्ष ही इस कीचड़ को उछाल रहा है लेकिन यह कीचड़ यदि जनता के बीच उछलने लगा तो उसमें से उगा हुआ कमल मलिन हुए बिना नहीं रहेगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्य तिथि

दीनदयालजी ने अपनी इंटरमीडिएट की परीक्षा पिलानी में विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की।तत्पश्चात वो बी.ए. की शिक्षा ग्रहण करने के लिए कानपूर आ गए जहां वो सनातन धर्म कॉलेज में भर्ती हो गए। अपने एक मित्र श्री बलवंत महाशब्दे की प्रेरणा से सन 1937 में वो राष्ट्रीय स्वयंसेवकसंघ में सम्मिलित हो गए।उसी वर्ष उन्होंने बी.ए. की परीक्षा भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।इसके बाद ऍम.ए. की पढ़ाई के लिए वो आगरा आ गए। आगरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेवा के दौरान उनका परिचय श्री नानाजी देशमुख और श्री भाउ जुगडे से हुआ।इसी समय दीनदयालजी की बहन सुश्री रमादेवी बीमार पड़ गयीं और अपने इलाज के लिए आगरा आ गयीं।मगर दुर्भाग्यवश उनकी मृत्यु हो गयी।दीनदयालजी के लिए जीवन का यह दूसरा बड़ा आघात था.इसके कारण वह अपने एम.ए. की परीक्षा नहीं दे सके और उनकी छात्रवृत्ति भी समाप्त हो गयी।

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर,1916, को वर्त्तमान उत्तर प्रदेश की पवित्र ब्रजभूमि में मथुरा में नगला चंद्रभान नामक गाँव में हुआ था। इनके बचपन में एक ज्योतिषी ने इनकी जन्मकुंडली देख कर भविष्यवाणी की थी कि आगे चलकर यह बालक एक महान विद्वान एवं विचारक बनेगा,एक अग्रणी राजनेता और निस्वार्थ सेवाव्रती होगा मगर ये विवाह नहीं करेगा। अपने बचपन में ही दीनदयालजी को एक गहरा आघात सहना पड़ा जब सन 1934 में बीमारी के कारण उनके भाई की असामयिक मृत्यु हो गयी।उन्होंने अपनी हाई स्कूल की शिक्षा वर्त्तमान राजस्थान के सीकर में प्राप्त की। विद्याध्ययन में उत्कृष्ट होने के कारण सीकर के तत्कालीन नरेश ने बालक दीनदयाल को एक स्वर्ण पदक,किताबों के लिए 250 रुपये और दस रुपये की मासिक छात्रवृत्ति से पुरुस्कृत किया। दीनदयालजी ने अपनी इंटरमीडिएट की परीक्षा पिलानी में विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की।तत्पश्चात वो बी.ए. की शिक्षा ग्रहण करने के लिए कानपूर आ गए जहां वो सनातन धर्म कॉलेज में भर्ती हो गए। अपने एक मित्र श्री बलवंत महाशब्दे की प्रेरणा से सन 1937 में वो राष्ट्रीय स्वयंसेवकसंघ में सम्मिलित हो गए।उसी वर्ष उन्होंने बी.ए. की परीक्षा भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।इसके बाद ऍम.ए. की पढ़ाई के लिए वो आगरा आ गए। आगरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेवा के दौरान उनका परिचय श्री नानाजी देशमुख और श्री भाउ जुगडे से हुआ।इसी समय दीनदयालजी की बहन सुश्री रमादेवी बीमार पड़ गयीं और अपने इलाज के लिए आगरा आ गयीं।मगर दुर्भाग्यवश उनकी मृत्यु हो गयी।दीनदयालजी के लिए जीवन का यह दूसरा बड़ा आघात था.इसके कारण वह अपने एम.ए. की परीक्षा नहीं दे सके और उनकी छात्रवृत्ति भी समाप्त हो गयी।

दीनदयाल जी परीक्षा में हमेशा प्रथम स्थान पर आते थे उन्हेंने मैट्रिक और इण्टरमीडिएट-दोनों ही परीक्षाओं में गोल्ड मैडल प्राप्त किया था इन परीक्षाआ को पास करने के बाद वे आगे की पढाई करने के लिए एस.डी. कॉलेज, कानपुर में प्रवेश लिया वहाँ उनकी मुलाकात श्री सुन्दरसिंह भण्डारी, बलवंत महासिंघे जैसे कई लोगों से हुआ इन लोंगों से मुलाकात होने के बाद दीनदयाल जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यक्रमों में रुचि लेने लगे दीनदयाल जी ने वर्ष 1939 में प्रथम श्रेणी में बी.ए. की परीक्षा पास की बी.ए पास करने के पश्चात दीनदयाल जी एम.ए की पढाई करने के लिए आगरा चले गये लेकिन उनकी चचेरी बहन रमा देवी की मृत्यु हो जाने के कारण वे एम.ए की परीक्षा न दे सके

भारतीय जनसंघ की स्थापना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा वर्ष 1951 में किया गया एवं दीनदयाल उपाध्याय को प्रथम महासचिव नियुक्त किया गया. वे लगातार दिसंबर 1967 तक जनसंघ के महासचिव बने रहे. उनकी कार्यक्षमता, खुफिया गतिधियों और परिपूर्णता के गुणों से प्रभावित होकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उनके लिए गर्व से सम्मानपूर्वक कहते थे कि- 'यदि मेरे पास दो दीनदयाल हों, तो मैं भारत का राजनीतिक चेहरा बदल सकता हूं'. परंतु अचानक वर्ष 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के असमय निधन से पूरे संगठन की जिम्मेदारी दीनदयाल उपाध्याय के युवा कंधों पर आ गयी. इस प्रकार उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक महासचिव के रूप में जनसंघ की सेवा की. भारतीय जनसंघ के 14 वें वार्षिक अधिवेशन में दीनदयाल उपाध्याय को दिसंबर 1967 में कालीकट में जनसंघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया.

दीनदयाल उपाध्याय के अन्दर की पत्रकारिता तब प्रकट हुई जब उन्होंने लखनऊ से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका 'राष्ट्रधर्म' में वर्ष 1940 के दशक में कार्य किया. अपने आर.एस.एस. के कार्यकाल के दौरान उन्होंने एक साप्ताहिक समाचार पत्र 'पांचजन्य' और एक दैनिक समाचार पत्र 'स्वदेश' शुरू किया था. उन्होंने नाटक 'चंद्रगुप्त मौर्य' और हिन्दी में शंकराचार्य की जीवनी लिखी. उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार की जीवनी का मराठी से हिंदी में अनुवाद किया. उनकी अन्य प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों में 'सम्राट चंद्रगुप्त', 'जगतगुरू शंकराचार्य', 'अखंड भारत क्यों हैं', 'राष्ट्र जीवन की समस्याएं', 'राष्ट्र चिंतन' और 'राष्ट्र जीवन की दिशा' आदि हैं.

जनसंघ के राष्ट्रजीवन दर्शन के निर्माता दीनदयालजी का उद्देश्य स्वतंत्रता की पुर्नरचना के प्रयासों के लिए विशुद्ध भारतीय तत्व-दृष्टी प्रदान करना था। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। दीनदयालजी को जनसंघ के आर्थिक नीति के रचनाकार बताया जाता है। आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य समान्य मानव का सुख है या उनका विचार था।

विचार -स्वातंत्रय के इस युग में मानव कल्याण के लिए अनेक विचारधारा को पनपने का अवसर मिला है। इसमें साम्यवाद, पूंजीवाद, अन्त्योदय, सर्वोदय आदि मुख्य हैं। किन्तु चराचर जगत को सन्तुलित, स्वस्थ व सुंदर बनाकर मनुष्य मात्र पूर्णता की ओर ले जा सकने वाला एकमात्र प्रक्रम सनातन धर्म द्वारा प्रतिपादित जीवन - विज्ञान, जीवन -कला व जीवन-दर्शन है।

संस्कृतिनिष्ठा दीनदयाल जी के द्वारा निर्मित राजनैतिक जीवनदर्शन का पहला सुत्र है उनके शब्दों में- भारत में रहनेवाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन है। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृतिमें निष्ठा रहे तभी भारत एकात्म रहेगा।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय महान चिंतक थे. उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानव दर्शन जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी. पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के दर्शन पर श्रेष्ठ विचार व्यक्त किए हैं. उन्होंने अपनी पुस्तक एकात्म मानववाद (इंटीगरल ह्यूमेनिज्म) में साम्यवाद और पूंजीवाद, दोनों की समालोचना की गई है. एकात्म मानववाद में मानव जाति की मूलभूत आवश्यकताओं और सृजित कानूनों के अनुरुप राजनीतिक कार्रवाई हेतु एक वैकल्पिक सन्दर्भ दिया गया है. दीनदयाल उपाध्याय का मानना है कि हिन्दू कोई धर्म या संप्रदाय नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय संस्कृति हैं।

मौत - 11 फरवरी, 1968 को पं. दीनदयालका रहस्यमय तरीके से मौत हो गई। मुगलसराय रेलवे यार्ड में उनकी लाश मिलने से सारे देश में शौक की लहर दौड़ गई थी। अपने प्रिय नेता के खोने के बाद भारतीय जगसंघ के कार्यकार्ता और नेता आनाथ हो गए थे। पार्टी को इस शोक से उबरने में बहुत सी समय लगा। उनकी इस तरह हुई हत्या को कई लोगों ने भारत के सबसे बुरे कांडों में से एक माना। पर सच तो यह है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग समाज के लिए सदैव अमर रहते हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

विश्व यूनानी चिकित्सा दिवस

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/ 11 फरवरी)

यूनानी चिकित्सा पद्धति के आधार पर बीमारी का ईलाज करना और इसकी जागरूकता को बढ़ाने हेतु हर वर्ष 11 फरवरी को विश्व यूनानी दिवस मनाया जाता हैं। विश्व यूनानी दिवस हर साल 11 फरवरी को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिन समाज सुधारक और महान यूनानी विद्वान हकीम अजमल खान की जयंती पर मनाया जाता है। विश्व यूनानी दिवस विश्व स्तर पर मनाया जाता है। अपने निवारक और उपचारात्मक दर्शन के माध्यम से यूनानी चिकित्सा पद्धति की मदद से स्वास्थ्य देखभाल वितरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन को दुनिया भर में मनाया जाता है विश्व यूनानी दिवस महान यूनानी विद्वान हाकिम अजमल खान की जयंती भी है। हकीम अजमल खान, जो नई दिल्ली में जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापकों में से एक थे, इसके साथ ही वह एक प्रसिद्ध भारतीय यूनानी चिकित्सक थे। वह एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी, एक महान विद्वान, एक समाज सुधारक, एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, एक यूनानी चिकित्सा शिक्षाविद् और यूनानी चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक अनुसंधान के संस्थापक थे। विश्व यूनानी दिवस हर साल 11 फरवरी को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिन समाज सुधारक और महान यूनानी विद्वान हकीम अजमल खान की जयंती पर मनाया जाता है। यह दिन भारत और दुनिया भर में यूनानी चिकित्सा के विकास में हकीम अजमल खान के योगदान पर प्रकाश डालता है। विश्व यूनानी दिवस महान विद्वान को श्रद्धांजलि है और यूनानी दवाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा वितरण के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। महान यूनानी विद्वान हकीम अजमल खान का जन्म 11 फरवरी 1868 को हुआ था।

हकीम अजमल खान एक यूनानी चिकित्सक, एक शिक्षाविद् और यूनानी चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक अनुसंधान के संस्थापक थे।वह दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के संस्थापकों में से एक थे और उन्हें 1920 में विश्वविद्यालय का पहला कुलाधिपति नियुक्त किया गया था। उन्होंने वर्ष 1927 में अपनी मृत्यु तक कुलाधिपति के रूप में कार्य किया।हकीम अजमल खान एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और एक प्रसिद्ध चिकित्सक और समाज सुधारक होने के साथ-साथ, वह एक आध्यात्मिक उपचारक, एक हर्बलिस्ट और एक प्रतिष्ठित यूनानी चिकित्सक थे।

हकीम अजमल खान का राजनीति में भी करियर था। वह अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के संस्थापक सदस्य और अध्यक्ष भी थेउन्होंने भारतीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया था। महान विद्वान हकीम अजमल खान से 29 दिसंबर 1927 को आखरी सांस ली थी।

विश्व यूनानी दिवस इस लिए मनाया जाता है क्योंकि यह वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में यूनानी चिकित्सा की क्षमता के बारे में जागरूकता पैदा करता है। यह हकीम अजमल खान को यूनानी प्रणाली के आगे के विकास के लिए श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है। हम आपको बता दें कि यूनानी प्रणाली शरीर के तरल पदार्थ, कफ, रक्त, पीले पित्त और काले पित्त के आधार पर रोगियों का इलाज करती है। ये शरीर में मौजूद चार देहद्रव हैं, जो पृथ्वी, वायु, अग्नि और जल के प्राकृतिक तत्वों से मेल खाते हैं। यह सिद्धांत ग्रीस में हिप्पोक्रेट्स द्वारा विकसित किया गया था और

यूनानी नाम का शाब्दिक अर्थ 'ग्रीक' है। इस प्रणाली को अरब और फ़ारसी चिकित्सकों या हकीमों द्वारा और विकसित किया गया और इस्लाम की पारंपरिक चिकित्सा बन गई। भारत में, हकीम अजमल खान ने यूनानी प्रणाली को पुनर्जीवित और लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने दिल्ली में सेंट्रल कॉलेज, तिब्बिया कॉलेज और हिंदुस्तानी द्वारखाना भी बनवाया था। यूनानी चिकित्सा पर शोध के लिए ये तीन प्रमुख संस्थान हैं। वह प्रतिष्ठित जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के संस्थापकों में से एक और अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के संस्थापक सदस्य और अध्यक्ष भी हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने 11 फरवरी को खान के जन्मदिन को विश्व यूनानी दिवस के रूप में नामित किया। पहला यूनानी दिवस 2017 में हैदराबाद के सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन में मनाया गया था। यूनानी चिकित्सा एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति है जिसकी उत्पत्ति प्राचीन ग्रीस में हुई थी। लेकिन भारत में लोग मुख्य रूप से अब इसका अभ्यास करते हैं। इसमें हर्बल उपचार, आहार संबंधी आदतों और पूरक उपचारों का उपयोग शामिल है। यूनानी चिकित्सा रोगों के उपचार और रोकथाम को संबोधित करती है। उनके चिकित्सकों के अनुसार, 'चार हास्य' (रक्त, कफ, पीला पित्त, और काला पित्त) के रूप में ज्ञात शरीर के तरल पदार्थों का संतुलन प्राप्त करना स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।यूनानी चिकित्सा में, सिद्धांत यह है कि वायु, पृथ्वी, जल और अग्नि का असंतुलन बीमारी का कारण बनता है। चार घटकों में वह सब कुछ शामिल है जो मानव शरीर सहित प्रकृति में रहता है। इसके अलावा, यूनानी उपचार का मानना है कि पर्यावरणीय कारक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। हर साल विश्व यूनानी दिवस पर, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय यूनानी चिकित्सा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता है। सम्मेलन स्पेशल थीम पर आधारित है। साल 2023 की थीम 'यूनानी मेडिसिन फॉर पब्लिक हेल्थ' है,

विचार मंथन

विदेशी निवेशकों का भरोसा बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती

(लेखक- सनत जैन)

हिंडन बर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी समूह का साम्राज्य ताश के पत्तों की तरह ढहढहाना शुरू हो गया है। शेयर मार्केट, जांच एजेंसियों और सरकार द्वारा अडानी समूह को बचाने की जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कोशिशें की जा रही हैं। उससे भारत सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती विदेशी निवेशकों का भरोसा बनाए रखने की है। भारत सरकार,भारत के शेयर बाजार, भारत की जांच एजेंसियों और भारत के नियम कानून पर वैश्विक संस्थाओं का विश्वास बना रहेगा, या वह टूट जाएगा। वर्तमान स्थिति में यह बहुत जरूरी हो गया है। अन्यथा हमारी भी हालत पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देशों की तरह हो जाएगी। हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में जो खुलासे किए गए हैं। उन आरोपों की भारत सरकार को जांच करानी चाहिए थी। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। भारत की शासन व्यवस्था संविधान, कानून और नियमों से संचालित होती है। जिस तरह से रिपोर्ट के तथ्यों को झुठलाया या दबाया जा रहा है। उससे विदेशी निवेशकों का भरोसा भारत के बाजार,भारत की संवैधानिक संस्थाओं को लेकर डगमगा रहा है। संसद में जिस तरह से सरकार ने इस मामले को दबाने का प्रयास किया है। उसकी प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय जगत में अविश्वास और आश्चर्य के रूप में हो रही है। ग्रिपेन ई लड़ाकू विमान बनाने के लिए साब और अडानी समूह के बीच हुआ समझौता खत्म हो गया है। भारत में फाइटर जेट बनाने के लिए 2017 में एमओयू हुआ था। साब समूह ग्रिपेन लड़ाकू विमान बनाता है और इसे मिग-21 का उन्नत संस्करण माना जाता है।

अडानी समूह ने अपने आर्थिक घोटाले और फर्जीवाड़े को जिस तरह से राष्ट्र पर हमला बताकर बचने का प्रयास किया है। उसके तुरंत बाद भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था रैंकिंग मे पांचवें स्थान से छठवें स्थान पर खिसक गई है। हर्षद मेहता और केतन पारेख के समय भारतीय शेयर बाजार में जो घोटाले हुए थे। उस समय भारतीय शेयर बाजार अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए नहीं खुला हुआ था। जो भी घपले घोटाले हुए,मुनाफावसूली हुई। वह भारत के अंदर ही रही। उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर नहीं पड़ा था। तब यह भारत का आंतरिक मामला था। 2004 के बाद से विदेशी निवेशक शेयर बाजार के माध्यम से भारतीय कंपनियों में बड़ी मात्रा में निवेश करते हैं। जिसके कारण अब अंतरराष्ट्रीय निवेशक भी भारत के शेयर बाजार, भारत की संवैधानिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं के क्रियाकलापों और भारतीय नियम कानूनो का असर उन पर भी समान रूप से पड़ता है। हिंडन बर्ग की रिपोर्ट ने क्रोनी कैपटीलिज्म से जुड़े कई मुद्दों को उठाया है। भारत सरकार और भारतीय जांच एजेंसियों ने उस पर जांच करने के स्थान पर, अडानी समूह की कंपनियों के बचाव करने का तरीका अख्तियार किया है। जिसके कारण वैश्विक संस्थाओं और निवेशक, भारतीय संस्थाओं पर भरोसा करने लायक स्थिति में नहीं रहे। भारत की न्याय व्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर प्रश्नचिन्ह लगाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरीके से कारपोरेट कंपनियों के पक्ष में एकाकी न्यायिक व्यवस्था महसूस की जा रही है। नियमों और फैसले का आधार अलग-अलग वर्गों के लिए अलग-अलग तरीके से हो रहा है। भारत की न्याय व्यवस्था में कारपोरेट का जिस तरह से प्रभाव देखने को मिल रहा है। उससे भारतीय न्याय व्यवस्था की साख सारी दुनिया में कम हुई है। खरबों डॉलर से जुड़े मामले में सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे ने लचर याचिका की दुहाई देते हुए, हिंडन बर्ग के खिलाफ कार्रवाई करने से इंकार कर दिया है। यह इसका बड़ा सबूत है। हिंडन बर्ग पर दायर पीआईएल बेतुकी होने के साथ-साथ मामले को भटकाने का प्रयास भी माना जा रहा है। कोरोना लॉकडाउन के 2 साल के अंधेरे में जब सारे कामकाज बंद थे। भारत सहित सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था रुकी हुई थी। उस समय अडानी समूह की पूंजी, मुनाफा और कारोबार, दिन दूनी, रात चौगुनी की गति से कागजों पर बढ़ती ही जा रही थी। दुनिया में पहली बार जिस तरीके से अडानी समूह ने दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी, कर चोरी, बेनामी कंपनियां, टैक्स हेवन,हवाला एवं राजनेताओं से मिलकर अनैतिक कार्यों को किए जाने का आरोप लगाया है। आरोपों को लेकर भारत सरकार, भारत की न्यायिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाएं, जांच कराने के स्थान पर जिस तरह से दबाने का प्रयास कर रही हैं। संसद में सरकार ने जिस तरह से इस घोटाले को दबाने का प्रयास किया है। सरकार जेपीसी अथवा ईडी इत्यादि के माध्यम से जांच कराने तैयार नहीं है। ऐसी स्थिति में वैश्विक वित्तीय संस्थाओं ओर वैश्विक निवेशकों का भरोसा भारत सरकार और भारतीय शेयर बाजार पर बनाये रखना मुश्किल हो रहा है।

भारत सरकार ने हर स्तर पर अडानी समूह की मदद, पिछले 10 दिनों में करने की कोशिश की है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, अडानी समूह की आर्थिक गड़बड़ी के गड्ढे में जितना भी पानी डालेंगे,वह कुछ ही समय में गड्ढा सोख लेगा। गड्ढे को भरे बिना कोई उपचार इस बीमारी से बाहर निकलने का नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही धातु और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी होने से बाजार में यह गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123.52 अंक करीब 0.20 फीसदी नीचे आकर 60,682.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 36.95 अंक तकरीबन 0.21 फीसदी नीचे आकर 17,856.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में आज एचसीएल टेक में सबसे ज्यादा 2.79 फीसदी की गिरावट रही जबकि टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, विप्रो, इन्फोसिस और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी गिरे। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, एलएंडटी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई 2.05 फीसदी ऊपर आया है। बीएसई मिडकैप में 0.04 फीसदी और स्मॉलकैप में 0.48 फीसदी फायदे रहा। दूसरी ओर यूरोपीय बाजारों और अमेरिकी बाजारों में गिरावट आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 144.73 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखी गई है। वहीं पिछले सत्र में सेंसेक्स ने बढ़त बनाई थी। वै श्विक बाजार में आज दिख रहे दबाव से घरेलू निवेशकों का सेंटिमेंट भी निगेटिव रहा और उन्होंने कारोबार शुरू होते ही मुनाफावसूली पर जोर दिया। आज के कारोबार में निवेशकों ने शुरुआत से ही बजाज फाइनेंस, बजात फिनसर्व, यूपीएल, एमएंडएम और ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों में लगातार निवेश किया और ताबड़तोड़ खरीदारी से ये स्टॉक टॉप गेनर की सूची में चले गए। दूसरी ओर अडानी इंटरप्राइजेस, अडानी पोर्ट, एचसीएल टेक्नोलाजी, हिडाल्को इंडस्ट्रीज और इंफो सिस जैसी कंपनियों पर बिकवाली का दबाव है और ये स्टॉक्स टॉप लूजर बन गए हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया चार पैसे नीचे आकर 82.55 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के रुख और कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती आने से रुपये में यह गिरावट आई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.61 पर खुला और कारोबार के दौरान 82.34 के उच्चस्तर और 82.64 अंक के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में चार पैसे की गिरावट के साथ 82.55 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.51 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी बढ़कर 103.28 हो गया।

13 फरवरी को यामाहा भारतीय बाजार में उतरेगी 3 बाइक

मुंबई । यामाहा मोटर्स फिर से भारतीय बाजार में अपनी नई लांच करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कंपनी 13 फरवरी को देश में 3 बाइक लांच करने वाली है, जिसमें अपडेटेड एमटी-15 वी2, एफजेड-एक्स और आर 15 वी 4 बाइक शामिल होंगी। कंपनी ने लांच से पहले इन मॉडल्स को डीलरशिप पर भेजना शुरू कर दिया है। कंपनी ने अभी तक इन अपकमिंग बाइक को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई हैं। लेकिन सामने आए स्पाई शॉट्स के अनुसार इन तीनों को नए कलर ऑप्शन में पेश होगी। नए पेंट कलर ऑप्शन के अलावा, नई एमटी-15 एलईडी ब्लिंकर्स और डुअल-चैनल एबीएस (एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) से लैस होगी। अपडेट आर15एम को एलईडी इंडिकेटर्स और एक टीएफटी कंसोल के साथ पेश किया जाएगा। पावरट्रेन को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें कोई बदलाव नही किए जाएंगे। अन्य अपडेट्स में कंपनी का प्लान भारत के लिए एक नई 150 सीसी एडवेंचर बाइक लांच करने का है। रिपोर्ट्स की मानें कंपनी एफजेड-एक्स बेस्ड स्यूडो-एडीवी या डब्ल्यूआर 155आर ला सकती है। इसके अलावा यामाहा 2025 तक भारत में नियो इलेक्ट्रिक स्कूटर भी पेश करेगी।

याहू ने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का किया ऐलान

नई दिल्ली । दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला जारी है। गूगल, ट्विटर, अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब याहू ने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह अपने एड टेक डिवीजन में बड़े पैमाने पर रीस्ट्रक्टचरिंग के जरिए कुल 20 फीसदी वर्कफोर्स से ज्यादा लोगों की छंटनी करने की योजना बना रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी ने कहा कि साल के आखिरी तक यह कटौती याहू के एड टेक डिपार्टमेंट में काम करने वाले 50 फीसदी कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। इनमें से 1,000 एम्पलॉइज को इस सप्ताह निकाल दिया जाएगा। याहू, जिसका स्वामित्व प्राइवेट इक्विटी फर्म अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के पास है, ने कहा कि इस कदम से कंपनी को अपने प्रमुख विज्ञापन व्यवसाय पर अपना ध्यान और निवेश कम करने में मदद मिलेगी। कंपनी ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब विज्ञापन देने वाली कई कंपनियों ने रिकॉर्ड महंगाई दर और मंदी को लेकर अनिश्चितता के कारण अपना मार्केटिंग बजट कम कर दिया है। इससे पहले पर्सनल कंप्यूटर्स की गिरती मांग के चलते डेल टेक्नोलॉजी ने भी छंटनी का ऐलान किया था। कंपनी दुनियाभर में अपने 6,650 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। दरअसल, पर्सनल कंप्यूटर का शिपमेंट 2022 की चौथी तिमाही में तेजी से गिरा है और डेल ने अपनी सेल में सबसे बड़ी गिरावट देखी है।

अडानी पावर में 6 कंपनियों का होगा विलय

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर को लेकर नेशलन कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने बड़ा फैसला दिया है। एनसीएलटी ने अडानी पावर में उसकी 6 सब्सिडियरी कंपनियों के विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। अडानी पावर महाराष्ट्र, अडानी पावर राजस्थान, उडुपी पावर कॉरपोरेशन, रायपुर एनर्जेन, रायगढ़ एनर्जी जेनरेशन और अडानी पावर (मुंद्रा) के अडानी पावर के साथ विलय की इजाजत दी गई है। पिछले साल दिसंबर में ही कंपनी के सिक्योर्ड क्रेडिटर्स ने विलय की योजना को मंजूरी दी थी। अडानी पावर में विलय की खबर आने के बाद भी अडानी पावर के शेयर नहीं संभले हैं। हिंडनबर्ग विवाद के बाद से ही अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ अडानी पावर का स्टॉक आज भी 4.98 फीसदी लुढ़ककर 164.20 रुपए पर कारोबार कर रहा था। कंपनी ने शेयर बाजारों को जानकारी दी है कि एनसीएलटी की अहमदाबाद ब्रांच ने उसकी 6 पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी के अडानी पावर लिमिटेड के साथ एकीकरण की योजना को मंजूरी दे दी है। योजना में शामिल 6 कंपनियां अडानी पावर महाराष्ट्र लिमिटेड, अडानी पावर राजस्थान लिमिटेड, उडूपी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर एनर्जेन, रायगढ़ एनर्जी जेनरेशन और अडानी पावर मुंद्रा शामिल हैं।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 669 रुपये नीचे आकर 56,754 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 57,423 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 1,026 रुपये फिसलकर 66,953 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। दिल्ली में सोना 669 रुपये के नुकसान के साथ 56,754 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,865 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ जबकि चांदी भी 22.12 डॉलर प्रति औंस रह गई।

एलआईसी को 22,970 करोड़ का मुनाफा

- 31 दिसंबर को समाप्त नौ महीनों के लिए कंपनी ने कुल 3,42,244 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था

चेन्नई ।

एशियाई जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा कि उसने 31 दिसंबर, 2022 को नौ महीने के समापन पर 22,970 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया। एलआईसी के अनुसार 31 दिसंबर को समाप्त नौ महीनों के लिए कंपनी ने कुल 3,42,244 करोड़ रुपए का प्रीमियम और 22,970 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। मौजूदा अवधि के मुनाफे में 19,941.60 करोड़ रुपए की राशि के हस्तांतरण के कारण उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर अभिवृद्धि से संबंधित, गैर बराबर से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित करने के कारण वृद्धि हुई है। एलआईसी ने कहा कि 19,941.60 करोड़ रुपए की राशि में 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए 5,669.79 करोड़ रुपए के अलावा क्रमशः 5,580.72 करोड़ रुपए, 4,148.78 करोड़ रुपए और पिछली तीन तिमाहियों के लिए 4,542.31 करोड़ रुपए शामिल हैं। एलआईसी के लिए कारोबार की गति मजबूत बनी हुई है और इसके परिणामस्वरूप 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त नौ महीने के लिए प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय (आईआरडीएआई के अनुसार) की कुल बाजार हिस्सेदारी 65.38 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि के लिए यह 61.40 प्रतिशत थी। कंपनी ने कहा कि वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) आधार पर 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त नौ महीनों के लिए कुल प्रीमियम 37,545 करोड़ रुपए था। इसमें से 23,419 करोड़ रुपये व्यक्तिगत व्यवसाय द्वारा और 14,126 करोड़ रुपए समूह व्यवसाय द्वारा दिया गया था। व्यक्तिगत व्यवसाय के भीतर एपीई आधार पर सम उत्पादों की हिस्सेदारी 90.55 प्रतिशत थी और शेष 9.45 प्रतिशत गैर-पार उत्पादों के कारण थी। 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त नौ महीनों के दौरान, व्यक्तिगत सेगमेंट में कुल 1.29 करोड़ पॉलिसी बेची गई, जिससे 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त हुए नौ महीनों में 1.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जब 1.26 करोड़ पॉलिसी बेची गई। 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त नौ महीनों के लिए 13वें महीने और 61वें महीने दोनों के लिए प्रीमियम आधार पर पर्सिस्टेंसी रेशियो में क्रमशः 77.61 प्रतिशत और 62.73 प्रतिशत का सुधार हुआ। 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त नौ महीनों के लिए परिचालन व्यय अनुपात 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त नौ महीनों के 14.99 प्रतिशत की तुलना में 27 बीपीएस बढ़कर 15.26 प्रतिशत हो गया।

अलीबाबा ने ब्लॉक डील के जरिए बेची पेटीएम की हिस्सेदारी, भारत से कारोबार समेटेगी अलीबाबा

नई दिल्ली ।

चीन की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ने भारत से अपना कारोबार पूरी तरह बंद करने का निर्णय लिया है। अलीबाबा ने आज एक ब्लॉक डील के जरिए पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी बची हुई हिस्सेदारी यानी करीब 2.1 करोड़ शेयर्स (या 3.4 प्रतिशत इक्विटी) बेच दी है। इस ब्लॉक डील के बाद अलीबाबा अब पेटीएम में स्टेकहोल्डर नहीं रही है।

कंपनी ने जनवरी में पेटीएम में 6.26 फीसदी इक्विटी में से करीब 3.1 फीसदी की बिक्री की थी। इस डील के बाद अलीबाबा के भारत से बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह से साफ हो चुका है। चीनी कंपनी ने इससे पहले जोमैटो और बिग बास्केट में अपनी हिस्सेदारी बेच दी थी। अलीबाबा पेटीएम के शुरुआती निवेशकों में शामिल है। दिसंबर तिमाही में बेहतर प्रदर्शन के चलते पेटीएम के घाटे में कमी आई है, जिसके बाद से ही कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी ने 3 फरवरी को अक्टूबर-दिसंबर 2022 के नतीजे जारी किए थे और तब से लेकर कल यानी 9 फरवरी तक पेटीएम करीब 34 फीसदी से अधिक मजबूत हुआ था। इससे पेटीएम के पेरेंट कंपनी वन97 कम्यूनीकेशन्स के शेयरों में 9 फीसदी तक गिरावट आई।

दोपहर 2.30 बजे यह यह 8.25 फीसदी की गिरावट के साथ 653.75 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में ऑपरेटिंग प्रॉफिटैबिलिटी की घोषणा की थी। इस दौरान कंपनी का घाटा पिछले साल के 779 करोड़ रुपए से घटकर 392 करोड़ रुपए रह गया है। इससे कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही थी। लेकिन अलीबाबा के शेयर बेचने से आज इसमें गिरावट आई।

अक्टूबर-दिसंबर 2022 में पेटीएम की पैरेंट कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 41 फीसदी बढ़कर 2062 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। वहीं इसका नेट लॉस सालाना आधार पर 778 करोड़ रुपए से घटकर 392 करोड़ रुपए रह गया। जो कंपनी के लिए राहत देने वाली खबर है। सितंबर 2022 में इसका घाटा 572 करोड़ रुपए था। पेटीएम ने 6.1 मिलियन डिवाइस की तैनाती के साथ ऑफ़लाइन भुगतान में अपने नेतृत्व को मजबूत किया। जबकि 89 मिलियन के औसत एमटीयू ने जनवरी 2023 के महीने में 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

जोमैटो के शेयर एक प्रतिशत गिरे

नई दिल्ली।

ऑनलाइन भोजन डिलिवरी मंच जोमैटो के शेयर की शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। कंपनी के तीसरी तिमाही का घाटा बढ़ने की सूचना देने के बाद इसके शेयरों में गिरावट आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 1.47 प्रतिशत गिरकर 53.60 रुपए रह गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53.65 रुपए पर आ गया। जोमैटो का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में घाटा बढ़कर 346.6 करोड़ रुपए हो गया जो उच्च व्यय और खाद्य वितरण व्यवसाय में मंदी से प्रभावित था। एक साल पहले तीसरी तिमाही में इसे 67.2 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। हालांकि इस दौरान उसकी परिचालन आय 1,112 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,948.2 करोड़ रुपए हो गई और वहीं कुल खर्च 2,485.3 करोड़ रुपए रहा।

एमएससीआई ने अडानी ग्रुप के चार शेयरों के फ्री फ्लोट स्टेटस में की कटौती

- अडानी ग्रुप दो दिनों में ही टॉप 20 से बाहर

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की मुश्किलें कम होने के बजाया बढ़ती जा रही है। इंडेक्स प्रोवाइडर एमएससीआई ने अडानी ग्रुप के चार शेयरों के फ्री फ्लोट स्टेटस में कटौती कर दी है। जिसके बाद से कंपनियों के शेयरों में फिर से गिरावट देखने को मिल रही है। गौतम अडानी की नेटवर्थ में 55 हजार करोड़ रुपए (10 फीसदी) से ज्यादा की गिरावट आई है और वो दो दिनों में ही टॉप 20 से बाहर हो गए हैं। एमएससीआई ने कहा कि उसने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी टोटल गैस, अडानी ट्रांसमिशन और एसीसी के फ्री फ्लोट स्टेटस को कम कर दिया है। यह कदम अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी की रिपोर्ट के बाद देखने को मिला है, जिसमें अडानी ग्रुप पर स्टॉक में हेरफेर का आरोप लगाया गया है। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया है। 30 जनवरी तक एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में चार कंपनियों का कंबाइंड वेटेज 0.4 फीसदी था। ये बदलाव 1 मार्च से प्रभावी होंगे। हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह को संकट में डाल दिया है, ग्रुप की मुख्य सात लिस्टिड फर्मों के मार्केट कैप में करीब 110 अरब डॉलर का सफाया कर दिया है। शुक्रवार को अडानी ग्रुप की ज्यादातर कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर 2.19 फीसदी की गिरावट के साथ 1885 रुपए पर कारोबार कर रहा है। अडानी पोर्ट एंड एसईजेट के शेयर करीब दो फीसदी की तेजी के साथ 592.90 रुपए पर कारोबार कर रही है। अडानी पॉवर के शेयर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट है और 164.30 रुपए पर कारोबार कर रही है। अडानी ट्रांसमिशन के शेयर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट है और 1186.15 रुपए पर कारोबार कर रहा है। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर में भी करीब 5 फीसदी की गिरावट है और 725.10 रुपए पर कारोबार कर रहा है। अडानी टोटल गैस के शेयर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट है और दाम 1258.25 रुपए पर आ गए हैं। अडानी विल्मर के शेयर में 2.15 फीसदी की तेजी है और दाम 449.75 रुपए देखने को मिल रहे हैं।अडानी की सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटेड के शेयर करीब एक फीसदी की गिरावट के साथ 1898.85 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। अंबूजा सीमेंट के शेयर में 1.31 फीसदी की तेजी है और 362.70 रुपए पर कारोबार कर रहा है।एनडीटीवी के शेयर 2.70 फीसदी की गिरावट के साथ 210.70 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

अडाणी समूह अगले महीने तक चुकाएगा 4 हजार करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली ।

हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही मुश्किलों का सामना कर रहे अडाणी समूह ने अगले महीने तक 4,000 करोड़ रुपए (50 करोड़ डॉलर) का लोन चुकाने की बात कही है। समूह ने यह बयान बैंकों के उस कदम के बाद दिया है जब कई बैंकों ने अडाणी समूह को रीफाइनेंसिंग से इनकार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बार्कलेस पीएलसी, स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी और डच बैंक ने अडाणी को 4.5 अरब डॉलर का कर्ज दिया था। यह लोन होलसिम लिमिटेड की सीमेंट इकाई को खरीदने के लिए दिया गया था, जिसका एक हिस्से सा 9 मार्च को बकाया है। समूह ने कहा है कि ब्रिज लोन के एक हिस्से के रूप में करीब 50 करोड़ डॉलर का भुगतान अगले महीने कर दिया जाएगा। बैंकों ने समूह को दोबारा लोन देने से फिलहाल इनकार कर दिया था।

एमएससीआई इंक ने कहा है कि वह अडाणी की कुछ प्रतिभूतियों की समीक्षा कर रहा है, जबकि जापान के एसेट मैनेजर ने भी समूह में किए अपने निवेश और उसके असर को लेकर समीक्षा करनी शुरू कर दी है। यह विदेशी निवेशकों की ओर से एक संकेत है कि अडाणी के शेयरों में आगे भी दबाव रह सकता है। अडाणी समूह ने एक सप्ताह में दूसरी बार लोन चुकाने की बात कही है, ताकि वह अपने निवेशकों में भरोसा जगा सके. इससे पहले गौतम अडाणी और उनके परिवार ने गिरवी रखे शेयरों को छुड़ाने के लिए 1.11 अरब डॉलर (करीब 9 हजार करोड़ रुपए) का कर्ज चुकाया है। हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह को कर्ज देने वाले ग्लोबल बैंक भी अपनी स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

सेल्टोस का नया वर्जन लाने की चल रही तैयारी

किआ सेल्टोस भारत में 2023 में हो सकती है लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय कार बाजार में सेल्टोस का नया वर्जन लांच करने की तैयारी चल रही है। भारत में नई किआ सेल्टोस को 2023 के बीच में लॉन्च किए जाने की खबर है, जो जुलाई से सितंबर के बीच है। किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट को पिछले साल कई ग्लोबल कार बाजारों में पहले ही लॉन्च किया जा चुका है, हालांकि, यह अभी तक भारत में आधिकारिक तौर पर नहीं आई है। नई सेल्टोस को ऑटो एक्सपो 2023 में प्रदर्शित किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन एसयूवी को भारत में सबसे बड़े प्रदर्शन कार्यक्रम में कहीं नहीं देखा गया। ग्लोबल मॉडल की तरह, नए सेल्टोस फेसलिफ्ट को इसके बाहरी, नए केबिन लेआउट और मोडिफाइड पावरट्रेन विकल्पों में बदलाव मिलेगा। बाहरी बदलावों की बात करें तो नई किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट में फिर से काम किया गया प्रावरणी मिलेगी, जिसमें ट्वीक्ड फ्रंट ग्रिल और नए हेडलैम्प्स के साथ संशोधित डे-टाइम रनिंग एलईडी और फॉग लैंप होंगे। यहां तक कि फ्रंट बम्पर भी पूरी तरह से नया होगा जिसमें एक नए सिरे से डिज़ाइन की गई स्किड प्लेट होगी। जहां साइड प्रोफाइल में अलॉय व्हील्स का केवल एक नया सेट मिलेगा, वहीं सेल्टोस फेसलिफ्ट में पीछे की तरफ बूट लिड की चौड़ाई में एलईडी कनेक्टिंग लाइट बार के साथ ट्वीक्ड एलईडी टेल लैंप्स मिलेंगे। किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट में 1.5-लीटर नैचुरली-एस्पिरेटेड 115 पीएस पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर 115 डीजल इंजन बरकरार रहेगा। हालांकि, नए 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन के लिए 1.4-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन को हटा दिया जाएगा। हयूदै ने पहले ही 2023 के लिए क्रेटा के लाइनअप से 1.4-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन को हटा दिया है, और किआ से मौजूदा प्री-फेसलिफ्ट मॉडल को बंद करने के साथ ही ऐसा करने की उम्मीद है। नए किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट का केबिन लेआउट भी मौजूदा मॉडल से अलग होगा, नए मॉडल में इंस्ट्रूमेंट कंसोल और टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के लिए नया कॉकपिट लेआउट मिलेगा। जबकि इंस्ट्रूमेंट कंसोल पूरी तरह से डिजिटल होगा, सेंटर कंसोल को ऑडियो सिस्टम और क्लाइमेट कंट्रोल के लिए नए कंट्रोल के साथ संशोधित किया जाएगा। इंटरनेशनल मॉडल की तरह, ऑटोमैटिक वर्जन में रोटरी नॉब-स्टाइल ट्रांसमिशन लीवर हो सकता है।

वॉल्ट डिज्नी ने 7 हजार कर्मचारियों को निकलने की घोषणा की

वाशिंगटन ।

अमेरिकी कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इसी कड़ी में अब कर्मचारी निकालने वाली कंपनियों की सूची में वॉल्ट डिज्नी का नाम भी जुड़ गया है। कंपनी ने 7,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। डिज्नी की वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा डिजनी प्लस हॉटस्टार ने 31 दिसंबर 2022 को समाप्त पहली तिमाही के लिए 38 लाख पेड सब्सक्राइबर खो दिए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यूजर्स बेस कम होने के बाद ही कंपनी ने खर्चे कटौती करने के लिए कर्मचारियों को निकालने का फैसला लिया है। अनुमान है कि छंटनी से 5.5 अरब डॉलर सालाना बचत होगी। कंपनी ने कहा कि वह 7,000 कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। सीईओ बॉब इगर का पहला बड़ा फैसला माना जा रहा है। उन्हें पिछले साल के अंत में कंपनी की बागडोर संभाली थी। कंपनी के तिमाही नतीजों के बाद इगर ने कहा, मैं इस निर्णय को हल्के में नहीं लेता। मेरे मन में दुनिया भर में हमारे कर्मचारियों की प्रतिभा और समर्पण के लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। डिज्नी की 2021 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में उसके 1,90,000 कर्मचारी हैं। इसमें से 80 प्रतिशत नियमित कर्मचारी थे। छंटनी के बाद डिज्नी की कुल वर्कफोर्स में 3.6 फीसदी की कमी आएगी।

डिज्नी की वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा डिजनी प्लस हॉटस्टार ने 31 दिसंबर 2022 को समाप्त पहली तिमाही के लिए 3.8 मिलियन सशुल्क ग्राहक खो दिए। डिजनी प्लस हॉटस्टार का मेंबर बेस तिमाही के लिए 57.5 मिलियन था, जो पिछली तिमाही में 61.3 मिलियन से 6 प्रतिशत कम था। कंपनी ने कहा कि इसकी स्ट्रीमिंग सर्विस ने पिछली तिमाही में सब्सक्राइबर में पहली बार गिरावट देखी, क्योंकि कंज्यूमर्स ने खर्च में कटौती की है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह

मुम्बई । भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के सभी मैचों से बाहर हो गये हैं। इससे पहले बुमराह के अंतिम दो मैचों में खेलने की उम्मीद थी। चयनकर्ताओं ने शुरुआत में पहले दो टेस्ट से उन्हें बाहर रखा था और माना जा रहा था कि वह अंतिम दो टेस्ट में वापसी करेंगे। बुमराह को लेकर पहले कहा गया था कि वह चोट से उबर गये हैं और राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी में रिहैब और अभ्यास कर रहे हैं पर अब कहा गया है कि वह पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। बुमराह पीठ की चोट के कारण ही करीब छह माह से टीम से बाहर है। इससे पहले उन्होंने अपना अंतिम मैच सितंबर महीने में खेला था। इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में बुमराह भारत के लिए अहम गेंदबाज साबित हो सकते हैं, इसी के चलते प्रबंधन उनपर खास ध्यान दे रही है और उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता है। टीम से लगातार बाहर रहने के कारण बुमराह के लिए वापसी भी आसान नहीं रहेगी क्योंकि पिछले कुछ समय में टीम में आये युवा गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही वापसी पर उनके लिए अपने लय बरकरार रखना भी आसान नहीं रहेगा।

रोहित के शतक से भारत ने पहले टेस्ट में हासिल की 144 रनों की बढ़त

जडेजा और अक्षर ने लगाये अर्धशतक

नागपुर ।

कप्तान रोहित शर्मा के शानदार शतक 120 रनों और रविन्द्र जडेजा व अक्षर पटेल के अर्धशतकों की सहायता से भारतीय टीम ने मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 321 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 177 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 144 रनों की बढ़त मिली है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय जडेजा नाबाद 66 रन और अक्षर 52 रनों पर खेल रहे थे। इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम ने पहले दिन के एक विकेट पर 77 रनों से आगे खेलना शुरु किया। कप्तान रोहित ने अपने अर्धशतक को शतक में बदला। रोहित के आउट होने के बाद भी जडेजा और अक्षर जमे रहे और दोनो ने अर्धशतक लगाये। जडेजा ने पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। वहीं बल्लेबाज चैतेश्वर पुजारा नाकाम रहे और केवल 7 रनही बना पाये। अपने पदर्पण टेस्ट में बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी असफल रहे ओर केवल 8 रन पर ही आउट हो गये। सूर्यकुमार के अलावा अपना पहला टेस्ट खेल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत भी 8 रन ही बना पाये। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 रन बनाये। विकेट के लगातार गिरने के बाद भी रोहित एक छोर संभाले रहे और टीम का स्कोर आगे बढ़ाते रहे। उनके आउट होने के बाद जडेजा और अक्षर ने पारी को संभाला। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा पांच विकेट टॉफ मर्फी ने लिए जबकि नाथन लायन और पैट कमिंस को एक-एक विकेट मिला। वहीं सर्जरी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते हुए जडेजा ने गेंद और बल्ले से अपने को साबित किया है। पहले दिन भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 177 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 77 रन बनाये थे। पहले दिन भारत ने एकमात्र विकेट लोकेश राहुल 20 का खोया था। राहुल वापसी के बाद भी लय में नहीं दिखे। जडेजा ने गेंदबाजी के दौरान 47 रन पर पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं उन्हें ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 42 रन पर तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्नस लाबुशेन 49 और स्टीव स्मिथ 37 के अलावा केवल एलेक्स कैरी 36 और पीटर हैंड्सकॉम्ब 31 ही भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक पाये। भारत को कप्तान रोहित और राहुल की जोड़ी ने सतर्क शुरुआत दिलाई। रोहित शुरू से ही अच्छी लय में दिखे जबकि राहुल ने रक्षात्मक रवैया अपनाया। रोहित ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के पारी के पहले ही ओवर में तीन चौके मारे और फिर उनके तीसरे ओवर में दो और चौके लगाये।

सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग की ट्रॉफी का भव्य विमोचन

जोधपुर/मुंबई।

मुंबई के होटल ग्रैंड हयात में सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सी.सी.एल.) सीजन 9 के लोकार्पण समारोह में देशभर के फिल्म सितारों के बीच ट्रॉफी का विमोचन हुआ। सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग का 18 फरवरी से होगा। इस अवसर पर ट्रॉफी के साथ अनेक सेलिब्रिटी जैसे सोहेल खान, सुनील शेट्टी, बोनी कपूर, मनोज तिवारी, जीशु सेनगुप्ता, सुधीर बाबू, नवराज हंस, निरहुआ ने स्टेज पर ट्रॉफी का विमोचन किया। उल्लेखनीय है कि सीसीएल सीजन 9 के 8 मैच राजस्थान में फरवरी और मार्च में खेले जायेंगे। बंगाल टाइगर्स और मुम्बई हीरोज ने एच एंड के इन्नोवेशंस प्रा. लि. को राजस्थान में होने वाले मैचों का आयोजक नियुक्त किया है। एच एंड के इन्नोवेशंस के निदेशक रंजीत वर्मा ने बताया कि 6 महीने बाद एक बार फिर से राजस्थान के दो बड़े शहरों में क्रिकेट मैच होने जा रहे हैं। इस बार जयपुर के एसएमएस स्टेडियम और जोधपुर के बरकतुल्लाह खां स्टेडियम में सेलिब्रिटी उतरेंगे। दोनों शहरों को पहली बार सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग की मेजबानी मिली है। इन दोनों मैदान में सुनील शेट्टी, रितेश देशमुख, सोनू सूद और मनोज तिवारी चौके-छक्कों की बरसात करते हुए नजर आएंगे। आईपीएल की तर्ज पर ही इसका भी लाइव प्रसारण निजी चैनल पर किया जाएगा। जयपुर में 25 और 26 फरवरी को मैच होगा, जबकि जोधपुर में 11 और 12 मार्च को मैच होंगे।

अब शतरंज लीग शुरु होगी

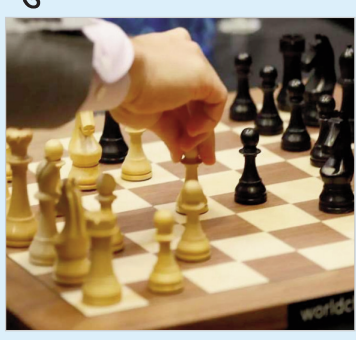

नई दिल्ली । देश में क्रिकेट लीग (आईपीएल) की सफलता के बाद हर खेल में लीग शुरु हुई है। जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने का एक मंच मिला है। उसी को देखते हुए अब अब देश में शतरंज लीग (आईसीएल) भी शुरु होने जा रही है। इससे देश में युवा शतरंज प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा। आईपीएल की तर्ज पर ही आईसीएल में भी देश भर से 6 से 8 टीमें भाग लेंगी। इसमें भी अलग-अलग फ्रेंचाइजी अलग-अलग टीमें खरीदेंगी। इसके साथ ही विदेशी खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में शामिल हो सकेंगे। शतरंज को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के लिए आईसीएल लीग का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन इंडियन चेस फेडरेशन कर रही है। सभी राज्यों से खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे। इसके साथ ही विदेशी खिलाड़ी भी इन टीमों में शामिल किए जाएंगे। यह प्रतियोगिता शतरंज को अंतरराष्ट्रीय स्तर और देश में खेलों में किस को बढ़ावा देने में अहम साबित हो सकती है। आईसीएल के चेयरमैन संजय कपूर ने कहा कि इस लीग का आयोजन इस साल के अंत तक होगा। इस प्रतियोगिता से शतरंज आगे बढ़ेगा। इसके साथ ही देश में लोग इसके प्रति जागरूक होंगे। विशेष रुप से बच्चों का इसका लाभ होगा। इससे बच्चों का बौद्धिक विकास भी होगा।

2025 वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप रूस से सिंगापुर हुई शिफ्ट

(एजेंसी)

वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 सिंगापुर में आयोजित की जाएगी। रूस के कजान ने 2025 विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली जीती थी, लेकिन रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण अब सिंगापुर इसकी मेजबानी करेगा। वर्ल्ड एक्वेटिक्स के अध्यक्ष हुसैन अल-मुसल्लम ने गुरुवार को कहा, वर्ल्ड एक्वेटिक्स को यह जानकर खुशी है कि 2025 के लिए हमारे मुख्य कार्यक्रम की मेजबानी इतने अच्छे हाथों में है, सिंगापुर में, धन्यवाद।सिंगापुर में वह सब कुछ है, जो हम अपने एथलीटों के साथ साझा करने की उम्मीद करते हैं, विश्व स्तरीय सुविधाएं, उच्चतम गुणवत्ता एवेंट की मेजबानी करने का अनुभव और जलीय खेलों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, तय तारीखों के साथ, 2025 में

शोकेस इवेंट में 2,500 से अधिक एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो वर्ल्ड एक्वेटिक्स के 209 सदस्य संघों का प्रतिनिधित्व करेंगे।21वीं विश्व चैंपियनशिप 2023 की गर्मियों के लिए निर्धारित की गई थी, फिर फरवरी 2024 में दोहा में होने के लिए पुनर्निर्धारित की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

रोनाल्डो ने 500 गोल का आंकड़ा पार किया

दुबई । पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 500 गोल का आंकड़ा पार कर लिया है। रोनाल्डो ने अपने नये क्लब सऊदी अरब के अल नासर की ओर से चार गोल करने के साथ ही यह उपलब्धि अपने नाम की है। अब रोनाल्डो के लीग फुटबॉल में कुल 503 गोल हो गए हैं। 38 साल के रोनाल्डो ने अल नासर की ओर से दोनों हाफ में दो दो गोल दागे। इससे उनकी टीम ने क्लब फुटबॉल में अल वेहदा को सऊदी प्रो लीग फुटबॉल मैच में 4-0 से हरा दिया। रोनाल्डो ने इससे पहले रीयाल मैड्रिड, युवेंटस और मैनचेस्टर युनाइटेड की ओर से खेला। उन्होंने सउदी क्लब अल नासर क्लब के साथ विश्व का सबसे महंगा करार किया है। इसके तहत वह जून 2025 तक अल नासर के साथ रहेंगे। क्लब फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन के कारण पांच बार बैलन डी ओर खिताब विजेता यह स्टार खिलाड़ी विश्वकप में नाकाम रहे जिससे उनकी पुर्तगाल टीम को क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। विश्व कप में रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम क्वार्टर फाइनल में मोरक्को से हार गई थी।

पिच ने चकमा दिया : हैंड्सकॉम्ब

नागपुर । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब ने कहा है पहले टेस्ट के पहले दिन पिच पर उम्मीद के अनुसार टर्न नहीं था जिससे उनकी टीम धोखा खा गयी। वहीं भारतीय स्पिनरों रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन ने पिच का अच्छा उपयोग कर ऑस्ट्रेलियाई पारी समेट दी। ऑस्ट्रेलिया के कई बल्लेबाज खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उनमें से कुछ ने तो टर्न के लिए खेला पर गेंद ने कोई टर्न नहीं लिया। वहीं मैच के पहले दिन स्टंप्स तक भारत ने एक विकेट के नुकसान पर 77 रन बना लिए थे। हैंड्सकॉम्ब ने मैच के बाद कहा , ''निश्चित तौर पर वहां हालात आसान नहीं थे। उन्होंने कहा, '' हमने जितना सोचा था गेंद उतना टर्न नहीं हो रही थी। इसी से हमें परेशानी हुई, हम स्पिन के लिए खेल रहे थे और गेंद सीधी आ रही थी। मैच में 31 रन की पारी खेलने वाले हैंड्सकॉम्ब ने भारतीय गेंदबाजों को श्रेय देते हुए कहा कि उन्होंने कसी हुई लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी की जिससे रन बनाने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी करना कठिन है, जडेजा बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, जिससे हमारे बल्लेबाजों को रन बनाने का अवसर नहीं मिला। मुझे भी लगा कि उनके खिलाफ रन बनाना काफी कठिन है। हैंड्सकॉम्ब ने चार साल के बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्हें बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हैड की जगह शामिल किया गया है।

गेंद से छेड़छाड़ मामले में रैफरी के सामने पेश हुए जडेजा और रोहित

नागपुर ।

भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंद से छेड़छाड़ के मामले को लेकर मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के सामने पेश हुए। इस दौरान उनके साथ भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी थे। जडेजा ने लंबे समय बाद इस मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते हुए पांच विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा था पर इस दौरान जारी हुए एक वीडियो ने उनकी खुशी पर पानी फेर दिया। सोशल मीडिया पर आये इस वीडियो में में उनपर गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगा। ये आरोप हालांकि ऑस्ट्रेलयाई टीम की ओर से नहीं लगाये गये। वीडियो फुटेज में जडेजा अपने दाहिने हाथ से भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की हथेली के पिछले हिस्से से कोई पदार्थ निकालते नजर आ रहे हैं। इसके बाद जडेजा इस पदार्थ को अपने बाएं हाथ की तर्जनी पर रगड़ते हुए दिखाई दिए। फुटेज में कहीं भी जडेजा को गेंद पर कुछ रगड़ते हुए नहीं देखा गया। हालांकि, उस समय गेंद उनके हाथ में थी। गौरतलब है कि आईसीसी ने गेंद को चमकाने के लिए किसी भी पदार्थ, यहां तक कि लार के इस्तेमाल पर भी रोक लगायी हुई है। यह घटना जिस समय हुई उस समय तक ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम 120 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। जडेजा ने मार्नस लाबुशेन मैट रेनशॉ और स्टीवन स्मिथ को पहले ही आउट कर दिया था। दिन का खेल समाप्त होने के तत्काल बाद जडेजा को यह वीडियो क्लिप दिखाया गया हालांकि ऑस्ट्रेलिया टीम ने इस मामले में मैच रेफरी से कोई शिकायत नहीं की थी। खेल की हालातों के अनुसार मैच रेफरी शिकायत दर्ज कराने की आवश्यकता के बिना स्वतंत्र रूप से ऐसी घटनाओं की जांच कर सकता है। क्रिकेट के नियमों के अनुसार, गेंद की स्थिति पर प्रभाव नहीं पड़े। यह तय करने के लिए गेंदबाज को अपने हाथों पर किसी भी प्रकार का पदार्थ लगाने के लिए अंपायर की अनुमति की आवश्यकता होती है। वहीं दूसरी और ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने इसकी जमकर आलोचना की है। वहीं पूर्व कप्तान टिम पेन और इंग्लैंड के माइकल वॉन ने भारतीय क्रिकेट टीम पर गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है।

रोहित ने शतक के साथ ही कपिल को पीछे छोड़ा

नागपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यहां मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार शतक लगाकर टीम को संभाला। रोहित एक सिरे पर डटे रहे जबकि भारतीय टीम ने अपने पांच विकेट केवल 168 रनों में ही खो दिया। वहीं रोहित ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने करियर का नौवां शतक लगाया। अपनी इस पारी के साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान कपिल देव का एक रिकार्ड तोड़ दिया। कपिल ने 131 मैचों में 8 टेस्ट शतक लगाये थे जबकि रोहित ने केवल 46 मैचों में ही 9 शतक लगा दिये। इसके अलावा रोहित विश्व के ऐसे चौथे बल्लेबाज भी बने हैं जो कप्तान के तौर पर तीनों प्रारुपों में शतक लगाने में सफल रहे हैं। उनसे पहले श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, दक्षिण अफ्रीका के फॉफ डु प्लेसिस और पाकिस्तान के बाबर आजम के नाम भी कप्तान के तौर पर तीनों प्रारुपों में शतक हैं। रोहित घरेलू जमीन पर बेहद सफल रहे हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने घर में खेले गये 21 मैचों में 6 अर्धशतक के साथ ही 8 शतक लगाये हैं। रोहित ने विदेशी धरती पर एकमात्र शतक इंग्लैंड के द ओवल में सितंबर 2021 में लगाया था।

सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करें, वॉर्नर प्रदर्शन नहीं कर रहे तो बाहर करें : पोंटिंग

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि चयनकर्ताओं को सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करना चाहिये ओर ऐसे में जो खिलाड़ी प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं उन्हें बाहर कर देना चाहिये। पोंटिंग के इस बयान का संकेत टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की ओर जाता है। इस पूर्व कप्तान ने संकेत दिये कि अगर वॉर्नर रन नहीं बना पा रहे तो उन्हें टीम में रखने की जरुरत नहीं है। वॉर्नर भारत के खिलाफ नागपुर में जारी पहले टेस्ट में एक रन ही बना पाये। इससे पहले भी भारत में उनका रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है और वह केवल 22.88 की औसत से ही रन बना पाये हैं। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत में उसका औसत आठ टेस्ट मैचों में 24 रन है। एक बार फिर वह विफल रहा है। वह उन खिलाड़ियों में से है जो कह रहे हैं कि भारत में जीतना एशेज श्रृंखला से भी बड़ा है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को अगर टेस्ट श्रृंखला जीतनी है तो अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर चयनकर्ता, कोच और कप्तान को भारत में यह श्रृंखला जीतनी ही है तो उन्हें सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश उतारनी होगी। अगर कुछ बल्लेबाज नहीं चल रहे हैं तो उनकी जगह पर दूसरे खिलाड़ियों को अवसर देना चाहिये। साथ ही कहा कि अगर पिछली एशेज सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे ट्रेविस हेड को पहले टेस्ट से बाहर रखा जा सकता है तो वॉर्नर को भी रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, 'हेड को उपमहाद्वीप में उसके कमजोर रिकॉर्ड के कारण बाहर रखा गया। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम में बाएं हाथ के ज्यादा बल्लेबाजों के होने के कारण भी उन्हें जगह नहीं मिली अब यह पैमाना वार्नर पर भी लागू होना चाहिये क्योंकि वह भी बाएं हाथ के ही बल्लेबाज है।

मिताली राज बोलीं- 'भारत में महिला टी20 वर्ल्ड कप को लेकर काफी उम्मीदें'

नई दिल्ली,

दिग्गज भारत बल्लेबाज और पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा कि देश में महिला टी20 विश्व कप को लेकर बहुत अधिक उम्मीदें हैं। साथ कहा कि किसी विशेष दिन पर अच्छा प्रदर्शन करना सबसे ज्यादा मायने रखता है। महिला टी20 विश्व कप का आठवां सीजन दक्षिण अफ्रीका में 10 से 26 फरवरी तक होगा। भारत, 2020 महिला टी20 विश्व कप का उपविजेता है। भारतीय टीम 12 फरवरी को केप टाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट का आगाज करेगी।पाकिस्तान के अलावा, वे प्रतियोगिता के ग्रुप चरण में 2009 के चैंपियन इंग्लैंड, 2016 के विजेता वेस्टइंडीज और आयरलैंड से भी भिड़ेंगे। ग्रुप ए में डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, मेजबान दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और आयरलैंड जैसी टीमें हैं। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में टी20 विश्व कप में कमेंट्री बॉक्स में अपने समय का इंतजार कर रही हूं। भारत में इस टूर्नामेंट को लेकर बहुत अधिक उम्मीदें हैं। मुझे यकीन है कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी लोग उम्मीद भरी नजरों से देख रहे होंगे।यहां बहुत अच्छी-अच्छी टीम हैं और यह सब कुछ इस बारे में होने वाला है कि किसी विशेष दिन पर कौन सी टीम अच्छा करती है। मैं सभी टीमों को शुभकामनाएं देती हूं और आशा करती हूं कि वे इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर आनंद लें।टूर्नामेंट का प्रसारण भारत में स्टार स्पोर्ट्स और हॉटस्टार पर किया जाएगा, जिसमें सभी भारतीय मैचों की क्षेत्रीय भाषा

कवरेज हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में उपलब्ध होगी। निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) भी सभी मैचों में उपलब्ध होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा : तस्कीन

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने कहा है कि घरेलू घरती पर उनकी टीम इंग्लैंड को हराने में सक्षम है। तस्कीन के अनुसार इंग्लैंड की टीम काफी मजबूत है पर उन्हें घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। तस्कीन ने कहा, यह सही है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं रहेगी क्योंकि वे हर प्रारूप में हमसे बेहतर हैं पर हमें घरेलू हालातों में खेलने का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, सब कुछ सब कुछ पहले से तय नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि जो भी उस दिन अच्छा खेलेगा जीत उसे मिलेगी। साथ ही कहा कि यदि आप हर चीज पर विचार करते हैं तो इंग्लैंड की टीम हमसे कहीं आगे हैं पर हम अपने घर पर खेल रहे हैं, इसलिए हम सीरीज जीतने की उम्मीद कर सकते हैं। तस्किन ने कहा कि नये मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला को लेकर हमें अपनी योजनाओं बता दी हैं और उसी अनुरुप हम तैयारी में लगे हैं। हथुरुसिंघा 20 फरवरी को यहां अपना दूसरा कार्यकाल शुरू कर सकते हैं। तस्कीन ने कहा, हम उत्साहित हैं कि हथुरुसिंघा की वापसी हो रही है। वह एक बहुत अच्छे कोच और एक ईमानदार व्यक्ति हैं। मुझे भरोसा है कि हम उनके नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। जो उस समय युवा थे वे अब परिपक्व हो गए हैं और हम भी अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने सभी के साथ बात की है और वह सभी के संपर्क में हैं। वह अपनी योजनाओं को साझा कर रहे हैं और भूमिकाओं पर बात कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बकरियों की उपयोगी नस्लें

ब्लैक बंगाल: इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है। प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछेकी ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त्न बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाशिंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10=1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए पर्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वर्गीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिर्ोर्म काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।
4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

जिनपिंग के खिलाफ सड़कों पर उतरा वुहान, भारी बारिश में रेनकोट और छाते के साथ हजारों की संख्या में लोग आए नजर

चीन में जिनपिंग सरकार के खिलाफ आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। चीन के वुहान में हजारों लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। ये लोग सरकार की मेडिकल इंशोरेंस पॉलिसी से नाराज हैं। पिछले साल के आखिर में देश भर में कोविड प्रतिबंधों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध के बाद से सार्वजनिक असंतोष के नए मामले में हजारों लोगों ने अपने चिकित्सा लाभों में कटौती के विरोध में मध्य चीन में भारी बारिश के बीच प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में यांग्त्ज़ी नदी के किनारे बसे वुहान शहर में सरकार के खिलाफ रेनकोट और छाता लिए बुजुर्ग प्रदर्शनकारियों की भीड़ नजर आ रही है, जबकि पुलिस अधिकारी उन्हें फाटकों के पास जाने से रोकने की कोशिश में लगे दिख रहे हैं। रेडियो फ्री एशिया के ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो में कैमरे के पीछे से पुलिस अधिकारियों पर चिल्लाते लोगों कहते दिख रहे हैं कि हम जैसे आम लोगों को क्यों बरगलाया गया? यह अपमानजनक है। अन्य फुटेज में बुजुर्ग प्रदर्शनकारियों को एक पुलिस वाहन के आसपास इंटरनेशनेल गाते और नारे लगाते हुए दिखाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि कुछ लोगों को पुलिस अपने साथ ले गई। वुहान शहर के एक सरकारी अधिकारी ने कहा, ''हमें कोई सूचना नहीं मिली,'' जबकि वुहान पुलिस को किए गए कॉल का कोई जवाब नहीं आया। स्थानीय निवासियों ने रेडियो फ्री एशिया को बताया कि अधिकांश प्रदर्शनकारी वुहान आयरन एंड स्टील प्लांट में सेवानिवृत्त कर्मचारी थे।

डोनाल्ड ट्रम्प का फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट बहाल, कैपिटल हिल हिंसा के बाद 2 साल तक लगी थी रोक

वाशिंगटन। मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट को एक्टिवेट कर दिया है। मेटा के प्रवक्ता एंडी स्टोन ने इस बात की पुष्टि की है। 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हिल हिंसा के बाद दो साल के निलंबन के बाद ट्रंप के अकाउंट को बहाल किया गया है। जनवरी में मेटा ने कहा था कि वो 'आने वाले हफ्तों में' ट्रम्प के निलंबन को हटा देगा। इसके साथ ही मेटा की तरफ से कहा गया था कि यदि पूर्व राष्ट्रपति ने कंटेंट पॉलिसी का फिर से उल्लंघन किया तो एक महीने से दो साल के बीच निलंबन के दंड को बढ़ा दिया जाएगा। एक जमाना था जब ट्रंप ट्विटर के और ट्विटर ट्रंप के पसंदीदा हुआ करते थे। कहा जाता है कि ट्विटर को हिट करने में ट्रंप की बड़ी भूमिका रही। ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने में भी ट्विटर का बड़ा रोल रहा। लेकिन पिछले साल जनवरी में यूएस कैपिटल हिल्स हिंसा भड़काने के आरोप में ट्विटर ने जब ट्रंप का अकाउंट डिलीट कर दिया था। सोशल मीडिया मंच ट्विटर ने भी उनका खाता मंच से हटा दिया था, लेकिन एलॉन मस्क के कंपनी की बागडोर हाथ में लेने के बाद हाल ही में उनका खाता बहाल कर दिया गया। मुख्यधारा के सोशल मीडिया मंच पर प्रतिबंध के बाद ट्रंप अपनी खुद की एक साइट, 'ट्रुथ सोशल' के जरिए अपनी बात रख रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका में बिजली संकट के कारण ''आपदा की स्थिति'' की घोषणा

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने केप टाउन में अपने वार्षिक 'स्टेट ऑफ द नेशन' (एसओटीएन) संबोधन के दौरान देश में बिजली संकट के कारण ''आपदा की स्थिति'' की घोषणा की। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण देश में घोषित ''आपदा की स्थिति'' को हटाए जाने के 10 महीने बाद यह घोषणा की गई है। रामाफोसा ने घोषणा की कि इस मामले से अधिक प्रभावी ढंग से और तत्काल निपटने के लिए एक बिजली मंत्री नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नया मंत्री राष्ट्रीय ऊर्जा संकट समिति के काम देखने के साथ-साथ बिजली संकट से निपटने के लिए सभी पहलुओं पर गौर करेगा। उन्होंने कहा, '' ऊर्जा संकट हमारी अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने के लिए एक संभावित खतरा है। हमें इन उपायों को बिना विलंब के तुरंत लागू करना चाहिए।'' उन्होंने बृहस्पतिवार शाम अपने संबोधन में बिजली आपूर्ति संकट के अलावा बेरोजगारी, अपराध और हिंसा समेत कई चुनौतियों का जिक्र किया। राष्ट्रपति ने अपने 'स्टेट ऑफ द नेशन' संबोधन में यह भी स्वीकार किया कि एक समय था जब वह पद छोड़ने पर विचार कर रहे थे, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के प्रयासों से उन्हें पद पर बने रहने की प्रेरणा मिली। रामाफोसा ने कहा कि उनकी सरकार और उनकी पार्टी अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) जिन संकटों का सामना कर रही थी, उनके बीच उनकी अंतरात्मा ने उन्हें पद पर बने रहने को कहा। उन्होंने कहा, '' मेरी अंतरात्मा हमेशा कहती है कि नेल्सन मंडेला के नक्शेकदम पर चलो, क्योंकि उन्होंने महान बलिदान दिए.'' मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति थे। इससे पहले रंगभेदी सरकार के राजनीतिक कैदी के रूप में 27 साल उन्होंने जेल में बिताए थे। रामाफोसा ने अपना संबोधन समाप्त करते हुए कहा, '' मेरी अंतरात्मा मुझे कहती थी कि इस देश को महान बनाने के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं करें..और मैं ठीक वहीं कर रहा हूं। हमारे सामने आने वाली सभी चुनौतियों के बावजूद मैं हम सभी से दक्षिण अफ्रीका के लोगों की सेवा करने के लिए यथासंभव योगदान देने का आह्वान करता हूं।

इमरान को क्यों लगता है, हर कोई उन्हें मारना चाहता है- मरियम नवाज

-पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने पूर्व पीएम इमरान खान पर जमकर निशाना साधा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने गुरुवार को मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पीटीआई सरकार के कार्यकाल के दौरान कुछ न करने के लिए इमरान खान पर हमला बोला। मरियम ने सवाल पूछा कि इमरान को क्यों लगता है कि वह इतने महत्वपूर्ण हैं कि बाकी सब उन्हें मारना चाहते हैं। खबरों की मानें तो इमरान खान को डर सता रहा था कि टीटीपी उनकी हत्या करना चाहता है। हालांकि आतंकवादी संगठन ने इस दावे का खंडन किया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, एबटाबाद में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मरियम नवाज ने पीटीआई के मुखिया पर कई कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि आपको क्यों लगता है कि आप इतने महत्वपूर्ण हैं कि हर कोई आपको मारने की साजिश रच रहा है? मरियम ने कहा कि पहले उन्होंने कहा कि एक अमेरिकी साजिश के तहत उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया गया, लेकिन फिर उन्होंने माफी मांग ली। फिर उन्होंने आसिफ अली जरदारी पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया और कल उन्होंने एजेंसियों को दोषी ठहराया। मरियम की टिप्पणी सोशल मीडिया पर एक वीडियो के सामने आने के एक दिन बाद आई है। वीडियो में पीटीआई चीफ ने कथित तौर पर दावा किया था कि सैन्य नेतृत्व एक लोकप्रिय राजनेता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले उन्होंने जरदारी पर उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। एबटाबाद में भाषण देते हुए मरियम ने कहा कि उनके पिता पीएमएल-एन के मुखिया नवाज शरीफ सुनवाई के दौरान व्हील चेयर पर बैठक कोर्ट में हाजिर होते थे, उन्होंने कोई अपराध नहीं किए थे। मरियम ने कहा कि मेरी कामना है कि इमरान खान जल्द ठीक हो जाएं, लेकिन मैं आपको बताना चाहती हूं कि वह अपने अपराधों की वजह से कोर्ट के सामने नहीं आ रहे हैं, न कि अपने प्लास्टर की वजह से।

वाशिंगटन में एफबीआई के एजेंट मिसाइलों के जरिये गिराये गचे चीनी गुब्बारे से मिले सामान को अपने कब्जे में लेते हुए।

सकारात्मक रही आईएमएफ के साथ बैठक में बेलआउट पैकेज पर बातचीत : इशाक डार

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की तरफ से पाकिस्तान को फिलहाल कोई कर्ज नहीं मिलने वाला है। गुरुवार को बेलआउट पैकेज के लिए जो मीटिंग हुई, वह बिना किसी नतीजे पर पहुंचे खत्म हो गई है। आईएमएफ की तरफ से इस मीटिंग के बाद एक बयान जारी किया गया है। वहीं देश के वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा संगठन के साथ वार्ता सकारात्मक मोड़ पर खत्म हुई है। इसके साथ ही डार ने ऐलान किया कि सरकार की तरफ से 170 अरब डॉलर के टैक्स भी लगाए जाएंगे। नए टैक्स मिनी बजट के जरिए पेश किए जाएंगे। इसका मकसद बेलआउट पैकेज को फिर से जिंदा करना है। मीडिया से बात करते हुए डार ने कहा सरकार को आईएमएफ की तरफ से सरकार को मेमोरेंडम ऑफ इकोनॉमिक एंड फाइनेंशियल पॉलिसीज (एमईएफपी) का ड्राफ्ट मिल चुका है। इशाक डार ने याद दिलाया कि सरकार की तरफ से जो टैक्स लागू किए जाएंगे उस पर पूर्व पीएम इमरान खान के साइन हैं। उन्होंने बताया कि साल 2019-2020 तक जब इमरान, आईएमएफ के साथ वार्ता कर रहे थे, तो उसी समय उन्होंने इस पर रजामंदी जता दी थी। उन्होंने दोहराया कि शहबाज शरीफ की सरकार संप्रभु प्रतिबद्धता के तौर पर आईएमएफ के साथ वार्ता आयोजित कर रही है। डार के शब्दों में यह एक पुराना समझौता है जिसे पहले सस्पेंड कर दिया गया और फिर इसमें देरी हो गई।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उचित संतुलन के लिए भारत के साथ संबंधों में निवेश कर रहे: अमेरिका

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय 'पेंटागन' के एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को सांसदों से कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ताकत का उचित संतुलन बनाए रखने के लिए अमेरिका भारत के साथ रक्षा संबंधों में निवेश कर रहा है। हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के रक्षा सहायक मंत्री एली रैटनर ने चीन पर कांग्रेस में चर्चा के दौरान सीनेट की विदेशी संबंधों से जुड़ी समिति से कहा कि भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना चीन द्वारा पेश की जा रही चुनौतियों से निपटने के महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने कहा, ''इस महीने की शुरुआत में, अमेरिका सरकार ने भारत के साथ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी पहल की शुरुआत की, जिसमें प्रमुख रक्षा मंचों के सह-निर्माण के अवसरों पर गहन चर्चा शामिल है।''

रैटनर ने कहा, '' हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ताकत के उचित संतुलन को बनाए रखने के लिए भारत के साथ अपने रक्षा संबंधों में महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं।'' अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा कि अमेरिका ने भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय समूह) साझेदारी में निवेश किया है। उन्होंने कहा, '' हम अपने साझा हितों व मूल्यों जैसे लोकतंत्र, स्पष्टता और निष्पक्षता को मजबूत करने के लिए और पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) द्वारा पेश की जा रही चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया भर में समान विचारधारा वाले भागीदारों को एकसाथ ला रहे हैं।'' सीनेट की विदेश संबंधों से जुड़ी समिति के अध्यक्ष सीनेटर रोजर विकर ने कहा कि चीन दशकों से क्षेत्र में अपने दावों को मजबूत करने में सक्रिय है और आक्रामकता दिखा रहा है।

उन्होंने कहा, '' पिछले 60 वर्षों में, चीन ने सोवियत संघ के साथ एक परमाणु संघर्ष का लगभग जोखिम उठाया, वियतनाम के साथ युद्ध लड़ा और हाल में भारत के साथ कई हिंसक झड़पें कीं ताकि अपने क्षेत्रीय दावे को मजबूत कर सके।'' विकर ने कहा कि वह 'चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी' की पहुंच बढ़ाने के नाम पर दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में आक्रामक क्षेत्रीय दावे करना जारी रखता है। हिंद-प्रशांत पर सदन की विदेश मामलों की उपसमिति की अध्यक्ष यंग किम ने दावा किया कि भारत और अन्य देश चीन के जासूसी गुब्बारों का निशाना हैं। किम ने कहा कि जासूसी गुब्बारे 'चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी' (सीसीपी) के एक बड़े अभियान का हिस्सा हैं, जिसके जरिए ताइवान, जापान, भारत और फिलीपीन जैसे हिंद-प्रशांत देशों में सैन्य संपत्ति की जानकारी एकत्र की गई।

खंडहर बन गए तीन पुराने शहर, मृतकों की संख्या 21 हज़ार पार

वाशिंगटन (एजेंसी)। तुर्किये और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप से प्रभावित क्षेत्र में ढहे घरों के मलबे से और शव निकाले जाने बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हजार के पार हो चुका है और यह संख्या अभी भी बढ़ सकती है। इस भूकंप के कारण दक्षिण-पूर्वी तुर्की में हजारों इमारतें गिर गईं। बचावकर्ता अभी भी जीवित बचे लोगों के लिए मलबे की तलाश कर रहे हैं, लेकिन पहले भूकंप के चार दिनों से अधिक समय से उम्मीदें धूमिल हो रही हैं। अपने घरों को खोने के बाद दस हज़ार लोगों ने लगातार चौथे दिन ठंडी रात अस्थायी आश्रयों में बिताई है। तुर्की के राष्ट्रपति ने भूकंप को ÷सदी की आपदा÷ करार दिया है।

खंडहर बन गए तीन पुराने शहर

तुर्की और सीरिया में आए भीषण भूकंप में तीन प्राचीन शहरों अंताक्या, सानलिउर्फा और अलेप्पो में व्यापक विनाश हुआ। दक्षिण-मध्य तुर्की में लगभग 250,000 लोगों का एक शहर अंताक्या, जिसके बड़े हिस्से मलबे में तब्दील हो गए हैं। ये एक समय एंटिओक का प्राचीन शहर था जो प्रारंभिक ईसाई धर्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अलेक्जेंड्रिया को टक्कर देता था और रेशम पर एक महत्वपूर्ण मंचन बिंदु था। अलेक्जेंडर द ग्रेट के एक पूर्व जनरल द्वारा 300 ईसा पूर्व में स्थापित, यह प्रथम विश्व युद्ध के बाद फ्रांसीसी शासित सीरिया और फिर बाद में 1939 में तुर्की में एक स्वायत्त शहर बनने से पहले रोमन, हेलेनिस्टिक, बीजान्टिन और ओटोमन द्वारा स्थापित किया गया था। सानलिउर्फा दुनिया की सबसे पुरानी ज्ञात मेगालिथिक संरचनाओं का घर है, जो दक्षिण-पूर्वी अनातोलिया में संयुक्त राष्ट्र की विश्व धरोहर स्थल, गोबेक्ली टेपे (पोटबेली हिल) में स्थित है। अलेप्पो दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है जो कम से कम 4,000 ईसा पूर्व से लगातार बसा हुआ है।

आम चुनाव से ही निकल सकता है पाकिस्तान की सभी समस्याओं का हल : जस्टिस बंदियाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान इस वक्त राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहा है। शहबाज सरकार के सामने लचर अर्थव्यवस्था की चुनौती है। वहीं इमरान खान नीत विपक्ष जनता के मुद्दे उठाने के बजाय मुल्क में दोबारा चुनाव कराए जाने की मांग कर रहा है। इस बीच पाकिस्तान के चीफ जस्टिस (सीजेपी) उमर अता बंदियाल ने कहा मुल्क की सभी समस्याओं का हल आम चुनाव ही हैं। शहबाज सरकार का आरोप है कि इमरान खान की गलत नीतियों की वजह से ही देश की यह हालत हुई है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, उन्होंने सरकार की ओर से एनएबी अध्यादेश में संशोधन को चुनौती देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

पाकिस्तान के शीर्ष जज ने कहा मुल्क में सभी समस्याओं का समाधान जनता के फैसले (आम चुनाव) से ही संभव है। सीजेपी बंदियाल, जस्टिस इजाज उल अहसन और जस्टिस सैयद मंसूर अली शाह की तीन सदस्यीय शीर्ष अदालत की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। पाकिस्तान में पिछले साल अप्रैल में एकजुट विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर इमरान खान को सत्ता से बाहर कर दिया था। इमरान कभी विदेशी साजिश बताते और कभी पाकिस्तानी फौज पर आरोप लगाते।

सत्ता जाने के बाद इमरान ने लगातार जलसे किए और इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च लेकर चले। वह सरकार से देश में चुनाव कराए जाने की मांग कर रहे थे। लेकिन जानलेवा हमला होने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी को राजनीति से अलग करने का ऐलान करते हुए लॉन्ग मार्च को खत्म कर दिया था। वर्तमान में पाकिस्तान इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उसके हालात श्रीलंका जैसे होते जा रहे हैं जिसकी अर्थव्यवस्था पिछले साल धराशायी हो गई थी। शहबाज शरीफ की आखिरी उम्मीद, आईएमएफ का कर्ज है, और उसकी भी उम्मीद अब धूमिल पड़ती जा रही है। पाकिस्तान सरकार और आईएमएफ 10 दिनों की लंबी और कठिन बातचीत के बाद भी किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही है। इससे आने वाले समय में मुल्क का नकदी संकट और गहरा सकता है।

तुर्की में फिर आ सकता है एक और बड़ा भूकंप, एक्सपर्ट ने की भविष्यवाणी

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या 21 हजार से ऊपर जा पहुंची है। राहत कार्य अब भी जारी हैं और मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच, प्रख्यात भूकंपविज्ञानी डोगन पेरिनसेक ने देश में एक और इतना ही शक्तिशाली भूकंप आने की संभावना जताई है।

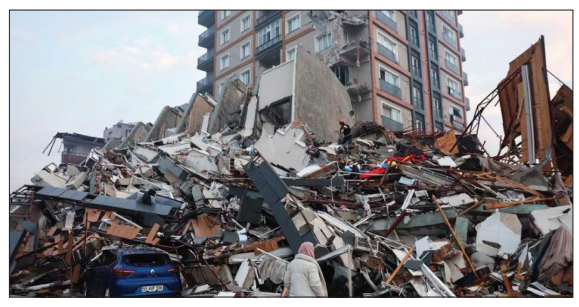

भूकंपविज्ञानी डोगन पेरिनसेक ने चेतावनी दी है कि जल्द ही पश्चिमी तुर्की में एक और रेक्टर स्केल पर 7 तीव्रता का भूकंप आ सकता है। उन्होंने कहा कि कैनक्कल के बंदरगाह शहर के आसपास के क्षेत्र में लगभग हर 250 वर्षों में बड़े पैमाने पर भूकंप आते हैं। पेरिन्सेक के अनुसार, आखिरी भूकंप 287 साल पहले आया था, जिसका अर्थ है, समय आ गया है। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 दिनों से मार्मारा सागर की दिशा से कनक्कले में बढ़ी हुई भूकंपीय गतिविधि रिकॉर्ड को रिकॉर्ड कर रहे हैं। उनकी चेतावनी सोमवार को दक्षिण-पूर्वी तुर्की और उत्तरी सीरिया में आए विनाशकारी भूकंपों की एक श्रृंखला के बाद आई है।

तुर्की और सीरिया में बचाव दल भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त हुए घरों के मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं। सभी बाधाओं के बावजूद, 7.8 तीव्रता के भूकंप के 72 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी खोजी दल लोगों को मलबे से निकाल रहे हैं।

इसी बीच भारतीय सेना और एनडीआरएफ की टीमों ने तुर्किये में मोर्चा संभाल लिया है। भारतीय सेना ने भूकंप प्रभावित इलाकों में फील्ड हॉस्पिटल बनाया है, जहां घायलों का इलाज किया जा रहा रहा है। वहीं, एनडीआरएफ की तीन टीमें भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में मलबों के बीच फंसे लोगों की तलाश कर रही हैं। इस बीच राहत सामग्री के साथ छठी भारतीय फ्लाइट यहां पहुंची है।

रूस पांचवीं पीढ़ी के सुखोई लड़ाकू विमानों का प्रदर्शन करेगा

कीव। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुखोई, चेकमेट लड़ाकू विमान और ओरलान-30 ड्रोन उन 200 प्रकार के सबसे उन्नत रूस निर्मित आयुध और सैन्य उपकरणों में शामिल होंगे जिन्हें 'एयरो इंडिया 2023 अंतरराष्ट्रीय एयर शो' में प्रदर्शित किया जायेगा। रूस की सरकारी हथियार विक्रेता कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। द्विवार्षिक एयर शो का 14वां संस्करण 13 से 17 फरवरी तक कर्नाटक के बेंगलुरु के येलहंका में वायु सेना स्टेशन में आयोजित किया जाएगा। सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने कंपनी के एक बयान का हवाला देते हुए बताया, ''रोसोबोरोनेक्सपोर्ट में लगभग 200 प्रकार के सबसे उन्नत रूसी-निर्मित आयुध और सैन्य उपकरण शामिल होंगे, जिसमें एसयू-57ई लड़ाकू विमान और चेकमेट लड़ाकू विमान और ओरलान-30 ड्रोन आदि शामिल हैं।'' उसने बताया कि एयर शो में, रूस उन्नत केए-52ई और एमआई-28एनई लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और एमआई-171एसएच सैन्य परिवहन रोटरक्राफ्ट का भी प्रदर्शन किया जायेगा।

इस्लामी चरमपंथ देश के लिए बड़ा खतरा, कश्मीर मसले पर ब्रिटेन के मुसलमानों को लेकर भी चिंता

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन सरकार की आतंकवाद को रोकने संबंधी एक योजना की समीक्षा में इस्लामी चरमपंथ को देश के लिए बड़ा खतरा बताया गया है। कश्मीर को लेकर ब्रितानी मुसलमानों के कट्टरपंथी होने और ''संभवतः खतरनाक'' खालिस्तान समर्थक अतिवाद को बढ़ती चिंता के रूप में चिह्नित किया है तथा देश के लिए ''प्राथमिक खतरे'' के रूप में इस्लामी चरमपंथ से निपटने में सुधार की सिफारिशें की गई हैं। यूके सरकार के नेतृत्व वाले कार्यक्रम ÷रोकें÷ की एक स्वतंत्र समीक्षा के अनुसार ये यूके के सामने आने वाले वर्तमान और निकटवर्ती आतंकवादी खतरों के साथ-साथ पारिस्थितिकवाद, चरम वामपंथियों द्वारा विघटनकारी गतिविधियों और यूके में हमास के लिए खुले समर्थन में शामिल थे।

तत्कालीन गृह सचिव प्रीति पटेल ने समीक्षा का आदेश दिया और वर्तमान गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने इसकी सभी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथ 'यूके के सिख समुदायों के बीच विकसित हो रहा है' और 'रोकें' को इससे सावधान रहना चाहिए। समीक्षा में कहा गया, ''मैंने ब्रिटेन के चरमपंथी समूहों से जुड़े साक्ष्य देखे हैं। साथ ही मैंने कश्मीर में हिंसा का आह्वान करने वाले एक पाकिस्तानी मौलवी के ब्रिटेन में समर्थक देखे हैं।

समीक्षा में कहा गया है कि इस बात पर विश्वास करने की कोई वजह मौजूद नहीं है कि यह मुद्दा ऐसे ही समाप्त हो जाएगा, क्योंकि इस्लामवादी आने वाले वर्षों में इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसमें कहा गया, ''इसकी रोकथाम संभवतः प्रासंगिक है, क्योंकि ब्रिटेन में आतंकवाद के अपराधों के कई ऐसे दोषी पाए गए हैं, जिन्होंने पहले कश्मीर में लड़ाई लड़ी थी। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो बाद में अल-कायदा में शामिल हो गए।'' रिपोर्ट में खालिस्तान समर्थक अतिवाद के मुद्दे पर कहा गया, ''ब्रिटेन के सिख समुदायों में उत्पन्न हो रहे खालिस्तान समर्थक चरमपंथ के प्रति भी सावधान रहना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में धीरे-धीरे होने लगी ठंड की विदाई, आने वाले दिनों में पड़ेगी गर्मी

नई दिल्ली । दिल्ली में अब ठंड कम होती दिख रही है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में कुछ दिन मौसम खुशनुमा रह सकता है। दिल्ली में पिछले कई दिनों से अच्छी धूप खिल रही है। हालांकि, दिल्ली में शुक्रवार के वक्त तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे मौसम अच्छा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज और 12 फरवरी को भी दिन के वक्त तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं, अगर तापमान की बात करें, तब कल यानी 11 फरवरी को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, 12 फरवरी को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। सोमवार को दिल्ली में तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के मुताबिक राजधानी दिल्ली में अगले 2 हफ्तों में मौसम खुशनुमा रहने की संभावना है। अधिकांश दिनों में भरपूर धूप और बीच में 1 या 2 दिन हल्के बादल छाए रहने की काफी संभावना है। ऐसा पूर्वानुमान है कि जैसे-जैसे हम महीने के दूसरे भाग में आएंगे, सर्दी की ठिठुरन धीरे-धीरे कम होगी। आने वाले दिनों में दिन गर्म रहने वाले हैं। हालांकि शुरुआत में यह सुखद रहेगा और बाद में हल्की गर्मी पड़ने लगेगी।

गर्दन काटने वाले आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी तक पहुंची पुलिस -कन्हैयालाल मर्डर केस में बड़ा खुलासा

जयपुर । राजस्थान के उदयपुर में सिर तन से जुदा करके मारे गए टेलर कन्हैयालाल को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों को पता चला है कि हत्याकांड का मुख्य आरोपी 12 दिन पहले भी कन्हैया के दुकान पर पहुंचा था। उस समय कन्हैया का एक अन्य व्यक्ति के साथ झगड़ा हो रहा था। 16 जून को हुए विवाद के दौरान आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी ने झगड़ा शांत करने की कोशिश की थी। इसके बाद उसे जो बातें पता चलीं, उसके बाद रियाज ने गौस मोहम्मद के साथ मिलकर कन्हैया के मर्डर का प्लान बनाया और 28 जून को बर्बरता से उसकी गर्दन काट दी। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार जांच एजेंसियों को इस झगड़े का तब पता चला, जब उन्होंने पीड़ित के दुकान की 16 जून सीसीटीवी फुटेज को जांचा। पता चला कि एक शख्स अपनी पत्नी और बच्चों के साथ लाल की दुकान पर बाइक से आया था। उसका कन्हैया के साथ झगड़ा हो रहा था। जब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने सीसीटीवी की पड़ताल की तो पता चला कि इस दौरान मोहम्मद रियाज अत्तारी भी वहां मौजूद था और बीच-बचाव की कोशिश कर रहा था। हालांकि, एनआईए ने चार्जशीट में यह नहीं बताया है कि कैसे अत्तारी ने झगड़े में बीच बचाव किया। जांच में पता चला कि उस दिन अत्तारी वसीम अली की दुकान पर आया था। अली का बुटीक कन्हैया की दुकान के पास ही था। जब कन्हैया की दुकान में झगड़ा शांत हो गया तो रियाज ने अली से पूछा कि क्यों हंगामा हो रहा था। तब अली ने रियाज को बताया कि कन्हैयालाल ने नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसके बाद ही रियाज ने कन्हैया की हत्या का प्लान बनाया और अपने साथी गौस मोहम्मद के साथ मिलकर इसे अंजाम दिया। गौरतलब है कि भाजपा की प्रवक्ता रहीं नूपुर शर्मा ने एक टीवी डिबेट शो के दौरान पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। नूपुर को लेकर देश और दुनियाभर के मुसलमानों ने आक्रोश जाहिर किया। कन्हैयालाल के मोबाइल से नूपुर शर्मा के समर्थन में एक पोस्ट किया गया था। रियाज और गौस मोहम्मद ग्राहक के रूप में कन्हैया की दुकान में पहुंचे थे। कन्हैया नाप लेने में व्यस्त था, तभी आरोपियों ने धारदार हथियार से उसकी गर्दन काट दी थी। बाद में दोनों पकड़े गए थे।

मध्य प्रदेश पुलिस ने ट्रक से गुजरात ले जाई जा रही 1.1 करोड़ रुपये की शराब जब्त की

शाजापुर। मध्य प्रदेश पुलिस ने शाजापुर जिले में ट्रक के जरिए हरियाणा से गुजरात ले जाई जा रही एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत की शराब जब्त की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी एस बघेल ने बताया कि शाजापुर जिले की बेरछा पुलिस को सूचना मिली थी कि शराब की एक खेप मध्य प्रदेश से शराबबंदी वाले राज्य बिहार भेजी जा रही है, जिसके बाद बृहस्पतिवार को एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। उन्होंने बताया कि ट्रक में ऑटो पार्ट्स के साथ 1.12 करोड़ रुपये मूल्य की भारत निर्मित विदेशी शराब के 558 कार्टन जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि पूछताछ में चालक ने बताया कि वह हरियाणा से शराब लेकर गुजरात जा रहा था। अधिकारी ने कहा कि चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और ट्रक को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने कहा, हम उसके बयान की पुष्टि कर रहे हैं और नेटवर्क के तौर-तरीकों को जानने के लिए उससे पूछताछ कर रहे हैं।

तुर्की में 4 मंजिला इमारत के मलबे के नीचे जन्म लेने वाली बच्ची को गोद लेने की लगी होड़

नई दिल्ली । सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप में हज़ारों घर तबाह हो गए है। इस विनाशलीला के बीच कुदरत का ऐसा चमत्कार भी देखने को मिला, जिसे देख हर कोई हैरान हो रहा है। दरअसल, एक इमरत के मलबे के नीचे दबी एक मां ने एक बच्ची को जन्म दिया और इसके बाद उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद पहुंचे मगर, राहत और बचाव दल ने बच्ची को बचा लिया। सीरिया के जेंडरिस शहर में जिस समय बचाव दल के सदस्य पहुंचे उस समय बच्ची अपनी मृत मां से गर्भनाल से जुड़ी हुई थी। उसे देखकर हर कोई भावुक हो उठा। भूकंप में उसकी मां, पिता और भाई-बहनों की भी मृत्यु हो गई है। बचाव दल ने बच्ची का नाम अया रखा है, जिसका अर्थ होता है चमत्कार। अया के पिता के चाचा का कहना है कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह उसे घर ले जाएंगे। अया के रेस्क्यू का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फुटेज में दिख रहा है कि एक व्यक्ति चार मंजिला इमारत के मलबे से धूल से ढके एक छोटे बच्चे को पकड़ता हुआ दौड़ता हुआ आ रहा है। वहीं अब वीडियो देखने के बाद हजारों लोगों ने इस बच्ची को गोद लेने की इच्छा जाहिर की है। एक डॉक्टर की पत्नी अपने बच्चे के साथ उसे भी दूध पिला रही है। उनका कहना है कि वह कड़ाके की ठंड के कारण हाइपोथर्मिया की चपेट में आ गई है। उसे तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत है।

दिल्ली सरकार क्लाउड किचन पॉलिसी ला रही है, जल्द ही जारी किए जाएंगे इसके नियम

नई दिल्ली । क्लाउड किचन के संचालन के लिए दिल्ली सरकार की नीति जल्द ही सार्वजनिक डोमेन में जारी की जाएगी, जबकि स्टार्ट-अप नीति उपराज्यपाल को अधिसूचना के लिए भेजी जाएगी। क्लाउड किचन पॉलिसी पिछले साल अपने रोजगार बजट में सरकार द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक थी। सरकार द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि मनीष सिसोदियाने कहा कि उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक की है। इन परियोजनाओं में दिल्ली सरकार की क्लाउड किचन नीति, गैर-अनुरूप औद्योगिक क्षेत्रों का पुनर्विकास, अनुरूप औद्योगिक क्षेत्रों का पुनर्विकास, दिल्ली बाजार पोर्टल और स्टार्टअप नीति शामिल हैं। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के संवाद विकास आयोग (डीडीसीडी) और अन्य विभागों द्वारा नीतियों और योजनाओं को तैयार करने के लिए लगातार हितधारकों से परामर्श किया जा रहा है जो राष्ट्रीय राजधानी में व्यवसायों को लाभान्वित करेगा।

नीति निर्माण की औपचारिकताएं पूरी कर ली गई

सरकार जल्द ही क्लाउड किचन पॉलिसी जारी करेगी। बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य क्लाउड किचन संचालन का सत्यापन, नियंत्रण और सुविधा प्रदान करना है। खाद्य और पेय क्षेत्र में बढ़ते कारोबार में भविष्य में रोजगार के कई अवसर सृजित करने की अपार संभावनाएं हैं। बैठक के दौरान अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि क्लाउड किचन पॉलिसी बनाने की औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और इसे जल्द ही पब्लिक डोमेन में जारी कर दिया जाएगा।

राज्यसभा में जेपीसी जांच की मांग को लेकर कांग्रेस सदस्यों ने किया हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को राज्यसभा में विपक्ष ने फिर कारोबारी गौतम अदानी मामले पर संयुक्त पार्लियामेंट्री कमिटी यानी जेपीसी जांच की मांग की। कांग्रेस सांसदों ने सभापति से मांग की कि उनके भाषण के जो अंश निकाले गए हैं उन्हें कार्रवाई में शामिल किया जाए। मांग पूरी न होने पर राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ और हंगामे के बाद कांग्रेस सांसदों ने सदन की कार्यवाही से वॉकआउट किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति से कहा कि आपने हमारे भाषण के अंश निकाले हैं। आप मेरी सदस्यता भी खारिज कर दीजिएगा, लेकिन मैं अपने दिल की बात अवश्य कहूंगा।

शुक्रवार को राज्यसभा की कार्यवाही की शुरूआत ही हंगामेदार हुई। इस पर सभापति ने कहा कि सदस्य चेयर के सामने आकर मुद्दे उठा रहे हैं, ये क्या तरीका है। राज्यसभा सभापति आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह पर भी भड़के और कहा कि आप जिस तरह का व्यवहार दिखा हे हैं, वह अंडर स्कैनर है। सभापति धनखड़ ने वेल में आकर नारेबाजी कर रहे विपक्ष के सांसदों से अपनी सीट पर वापस जाकर बैठने की अपील की।

इसके बावजूद कांग्रेस सांसदों द्वारा लगातार नारेबाजी जारी रही। इसके बाद सभापति ने कांग्रेस सांसदों रणदीप सुरजेवाला, दीपेंद्र हुड्डा, नासिर हुसैन, इमरान प्रतापगढ़ी, केतकरजी, राजीव रंजन, केटी तुलसी, केसी वेणुगोपाल, प्रदीप भट्टाचार्य, नीरज डांगी आदि को नेम किया। उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों को सदन की कार्यवाही से बाहर करने के लिए नाम लेता हूं। हालांकि बाद में सभापति के कहने पर कांग्रेस सांसद अपनी-अपनी सीटों पर वापस बैठ गए। इससे पहले राज्यसभा में सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों की ओर से जमकर नारेबाजी हुई। सदन की कार्रवाई शुरू होने पर जब विपक्षी सांसदों का भाषण शुरू होते ही सत्ता पक्ष की ओर से मोदी-मोदी के नारे लगाए गए। वहीं दूसरी ओर जब सत्ता पक्ष के सांसद व मंत्री बोलने के लिए खड़े हुए, तब विपक्ष वी वांट जेपीसी के नारे लगाए।

दूसरे चरण में जल्दी ही द. अफ्रीका से लाए जाएंगे 14 से 16 और चीते: सिंधिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में खत्म हो चुके चीतों की वापसी के लिए प्रोजेक्ट चीता अभियान लांच किया गया है। पिछले साल नामीबिया से चीतों को भारत लाया गया था। बताया जाता है कि अब जल्द ही चीते भारत आने वाले हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को बताया केंद्र सरकार प्रोजेक्ट चीता के दूसरे चरण के तहत अगले कुछ माह में 14 से 16 और चीतों को भारत लाने की योजना बना रही है।

गौरतलब है कि 1952 में छत्तीसगढ़ में आखिरी चीते के शिकार के 71 साल बाद सरकार ने भारत में चीतों की वापसी के लिए प्रोजेक्ट चीता लांच किया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर नामीबिया से 8 चीते भारत लाए। प्रोजेक्ट चीता के तहत कुनो नेशनल पार्क में पिछले साल 17 सितंबर को ये चीते लाए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद चीतों को पार्क में छोड़ा था।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अगले चरण के लिए सरकार की योजनाओं को साझा करते हुए, सिंधिया ने कहा अगले महीनों में चौदह से सोलह और चीतों को भारत में स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा वर्तमान में सरकार प्रोजेक्ट चीता के दूसरे चरण पर काम कर रही है। सरकार ने इसके लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की रणनीति 4 प्रमुख स्तंभों जनसंख्या, नीति, लोग और बुनियादी ढांचे पर आधारित है। आपको बता दें कि 2014 के बाद से, भारत में बाघों की आबादी में 33 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। 2018 में बाघों की संख्या 2,226 से बढ़कर 2,967 हो गई है। एशियाई शेरों की संख्या भी जहां 2010 में 411 थी वहीं 2020 में बढ़कर 684 हो गई है। तेंदुओं की संख्या बढ़कर 12,852 हो गई है।

वहीं पूर्वोत्तर में गैंडों की आबादी 2016 में जहां 2,600 थी अब बढ़कर 3,000 हो गई है। देश भर में हाथियों की संख्या 2007 में लगभग 27,000 थी, जो अब बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि अब एक रैखिक अर्थव्यवस्था के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा हमें भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों को बनाए रखने के लिए रैखिक बनाने और मॉडल के निपटान के बजाय रीसाइकल, पुनः उपयोग, रीमेक, री-इंजीनियर और पुनरुत्पादन मॉडल का पालन करना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संसद में रिसाइकिल प्लास्टिक से बनी जैकेट पहनना भी दुनिया के लिए एक संदेश है।

तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ 20 मार्च से दिल्ली में फिर जुटेंगे किसान

करनाल (एजेंसी)। निरस्त किए जा चुके तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए तीन साल पहले गठित लगभग 40 किसान यूनियनों के संयुक्त किसान मोर्चा ने 20 मार्च से लंबित मांगों के लिए अपना आंदोलन फिर से शुरू करने का फैसला किया है। यह निर्णय गुरुवार को कुरुक्षेत्र में आयोजित एसकेएम नेता की बैठक में लिया गया। हालांकि यह अभी तय नहीं है कि यह आंदोलन अनिश्चतकालीन होगा या नहीं? एसकेएम ने अपने बयान में कहा कि हमने 20 मार्च से आंदोलन फिर से शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि देश भर से लाखों किसान 20 मार्च को दिल्ली पहुंचेंगे, ताकि सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और कर्ज माफी सहित लंबित मांगों को लेकर आंदोलन फिर से शुरू किया जा सके। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए नेता युद्धवीर सिंह ने कहा कि मोर्चा ने 11 दिसंबर 2021 को अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था और किसानों ने कहा था कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे फिर से आंदोलन शुरू करेंगे।

युद्धवीर सिंह ने कहा कि अभी तय नहीं किया गया है कि आंदोलन अनिश्चितकालीन होगा या नहीं, लेकिन 20 मार्च को सभी राज्यों के किसान पहुंचेंगे और बैठक के बाद अगला फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रमुख मांगों में किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी, एमएसपी की गारंटी, बिजली (संशोधन) विधेयक-2022 को वापस लेना, आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देना शामिल है। उन्होंने मीडिया से कहा कि यह सरकार पर निर्भर है कि अगर सरकार हमारी मांगों को स्वीकार नहीं करेगी तो हम आंदोलन को फिर से शुरू करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं छोड़ेंगे।

पिछले साल 2 लाख 25 हजार लोगों ने छोड़ी भारतीय नागरिकता : एस जयशंकर

-विदेश मंत्री ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा बृहस्पतिवार को राज्यसभा में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2011 से 16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ दी है। इनमें से सर्वाधिक 2 लाख 25 हजार 620 भारतीय ऐसे हैं जिन्होंने पिछले साल भारतीय नागरिकता छोड़ी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने वर्षवार भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या का ब्योरा देते हुए बताया कि 2015 में 1,31,489 जबकि 2016 में 1,41,603 लोगों ने नागरिकता छोड़ी और 2017 में 1,33,049 लोगों ने नागरिकता छोड़ी। उनके मुताबिक 2018 में यह संख्या 1,34,561 थी, जबकि 2019 में 1,44,017, 2020 में 85,256 और 2021 में 1,63,370 भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी। मंत्री के अनुसार 2022 में यह संख्या 2,25,620 थी।

जयशंकर ने कहा कि संदर्भ के लिए 2011 के आंकड़े 1,22,819 थे, जबकि 2012 में यह 1,20,923, 2013 में 1,31,405 और 2014 में 1,29,328 थे। वर्ष 2011 के बाद से भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की कुल संख्या 16,63,440 है। उन्होंने कहा कि सूचना के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान पांच भारतीय नागरिकों ने संयुक्त अरब अमीरात की नागरिकता प्राप्त की है।

जयशंकर ने उन 135 देशों की सूची भी उपलब्ध कराई जिनकी नागरिकता भारतीयों ने हासिल की है। एक अन्य सवाल के जवाब में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि सरकार हाल के महीनों में अमेरिकी कंपनियों द्वारा पेशेवरों की छंटनी के मुद्दे से अवगत है। उन्होंने कहा कि इनमें से एक निश्चित प्रतिशत एच-1बी और एल1 वीजा धारक भारतीय नागरिकों के होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिकी सरकार के समक्ष आईटी पेशेवरों सहित उच्च कुशल श्रमिकों से संबंधित मुद्दों को लगातार उठाया है। मुरलीधरन ने कहा कि सरकार इन मुद्दों पर उद्योग संगठनों और व्यापार मंडलों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ भी काम कर रही है।

बीजेपी के खिलाफ 'वोटों की सुनामी' आएगी, लोग हिंसा से परेशान: कांग्रेस

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस-वाम गठबंधन का मानना है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ ''वोटों की सुनामी'' आएगी क्योंकि लोग सीमावर्ती राज्य में पांच साल से जारी ''राजनीतिक हिंसा'' से ''निराश'' हैं। कांग्रेस की त्रिपुरा इकाई के नेता सुदीप राय बर्मन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए वीडियो साक्षात्कार में कहा कि गठबंधन प्रस्तावित 'ग्रेटर टिपरालैंड' राज्य की मांग का समर्थन नहीं करता। उन्होंने कहा कि उनको लगता है कि चुनाव के बाद के परिदृश्य में टिपरा मोथा का एक ''व्यावहारिक दृष्टिकोण'' होगा। उन्होंने कहा, '' भाजपा के खिलाफ वोटों की सुनामी आएगी। लोग निरंतर हिंसा से तंग आ चुके हैं, जिसकी आड़ में सत्ताधारी पार्टी द्वारा किए गए कोई भी विकास कार्य नजर नहीं आते।''

उन्होंने कहा, '' भाजपा सरकार ने हमें जंगलराज की तरह पेश किया, विपक्ष की आवाज का गला घोंटा,कानून का कोई शासन नहीं है... मेरी भविष्यवाणी है कि कांग्रेस-वाम गठबंधन चुनाव में जीत हासिल करेगा।'' पांच बार के विधायक एवं राज्य के एक लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे बर्मन 2016 में छह कांग्रेस विधायकों के साथ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। हालांकि ममत बनर्जी नीत पार्टी के राज्य पर अधिक ध्यान न देने का हवाला देते हुए वह एक साल बाद ही भाजपा में शामिल हो गए। ऐसा माना जाता है कि उनके समर्थकों के साथ उनके दलबदल ने 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राय राज्य में भाजपा नीत सरकार में स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। पिछले साल फरवरी में वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

उन्होंने कहा, '' हमारा मानना है कि इतनी अधिक संख्या में वोट हमारे पक्ष में पड़ेंगे कि अगर चुनाव में धांधली की कोशिश भी की जाए, तो भी कोई फायदा नहीं होगा। यहां तक कि अगर वे (भाजपा) किसी पार्टी (के विधायकों को) को तोड़ने में कामयाब भी हो जाते हैं, तो भी कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि उनके पास संख्याबल होने की संभावना नहीं है... खरीद-फरोख्त यहां मुश्किल होगी, यहां के लोग राजनीतिक रूप से बहुत जागरूक हैं।'' त्रिपुरा के पूर्व शाही परिवार के वारिस द्वारा एक साल पहले शुरू की गई टिपरा मोथा पार्टी की 'ग्रेटर टिपरालैंड' की मांग पर बर्मन ने कहा, '' यह एक व्यावहारिक मांग नहीं है क्योंकि त्रिपुरा की सीमा तीन ओर से बांग्लादेश से लगती है, हम इस मांग का समर्थन नहीं करते हैं।'' प्रस्तावित 'ग्रेटर टिपरालैंड' राज्य में विभिन्न राज्यों के हिस्से और यहां तक कि बांग्लादेश का एक हिस्सा भी शामिल है।

बर्मन ने कहा कि स्वदेशी समुदाय के नेतृत्व को मांग करने का अधिकार है, हालांकि आदिवासी क्षेत्रों में अधिक विकास की मांग पूरी करने के कई तरीके हैं। उन्होंने कहा, '' हमारे स्वदेशी लोगों में उन क्षेत्रों में विकास की रफ्तार को लेकर नाराजगी है जहां वे रहते हैं ... हमें लगता है कि संवैधानिक परिवर्तनों की जरूरत है।'' बर्मन ने कहा कि संसद में लंबित 125वें संशोधन विधेयक के पारित होने से इस दिशा में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, '' इसके पारित होने का मतलब त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) को अधिक धन मिलेगा, त्रि-स्तरीय पंचायत प्रणाली, अधिक कार्यकारी शक्तियां सुनिश्चित होंगी और हम उन उपायों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।'' राय प्रतिष्ठित अगरतला निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 16 फरवरी को मतदान होगा और मतगणना दो मार्च को होगी। राज्य में कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

काऊ हग डे का मजाक बनाना सही नहीं, पश्चिमी देशों में ऐसे आयोजन के सकारात्मक लाभ सामने आये हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे मनाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपको बता दें कि भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने एक नोटिस जारी कर लोगों से 14 फरवरी को ''काउ हग डे'' मनाने की अपील की है। पशुपालन और डेयरी विभाग के तहत आने वाले बोर्ड द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है, ''सभी गाय प्रेमी गौ माता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए तथा जिंदगी को खुशनुमा और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण बनाने के लिए 14 फरवरी को काउ हग डे मना सकते हैं।'' नोटिस में कहा गया है कि गायों को गले लगाने से ''भावनात्मक संपन्नता'' आएगी और ''सामूहिक प्रसन्नता'' बढ़ेगी। नोटिस में यह भी कहा गया है कि वैदिक परंपराएं ''पश्चिमी संस्कृति की प्रगति'' के कारण लगभग ''विलुप्त होने के कगार'' पर हैं और ''पश्चिमी सभ्यता की चकाचौंध ने हमारी भौतिक संस्कृति तथा विरासत को लगभग भुला दिया है।''

इस नोटिस ने जहां सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है वहीं कुछ राजनीतिक दलों ने इसे विवादित बताते हुए नोटिस को वापस लेने की भी मांग की है। इस बीच, केंद्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा है कि यह सब हमारी परम्पराएं रही हैं और गाय को गले लगाने में कोई हर्ज नहीं है।

वहीं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने भी 14 फरवरी को 'काउ हग डे' मनाने के लिए भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी किए गए नोटिस का समर्थन करते हुए कहा है कि सभी को गाय से प्यार करना चाहिए। नोटिस के बारे में पूछे जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा, ''यह एक अच्छी पहल है।'' उन्होंने कहा, ''हमें गायों से प्यार करना चाहिए। मुझे खुशी है कि यह मिशन शुरू किया गया है। आपको भी गायों से प्यार करना चाहिए।''

दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश के पशुपालन मंत्री धरमपाल सिंह ने कहा है कि 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे की बजाय 'गौ माता सम्मान दिवस' मनाने के लिए भारतीय पशु अनुसंधान कल्याण बोर्ड द्वारा आदेश इसलिए जारी किया गया है कि क्योंकि गायें हमारे लिए सांस्कृतिक एवं आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि गायें आर्थिक रूप से इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि शून्य बजट खेती का आधार गोबर और गौमूत्र है। मंत्री ने कहा कि किसी पशुपालक को दूध दुहकर गायों को छुट्टा नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि गाय के दूध के अलावा गोबर और गौमूत्र किसानों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि जहां गौमूत्र खेत के कीटों को नष्ट करता है, वहीं गोबर जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देता है और यह पर्यावरण अनुकूल है। मंत्री ने लोगों से होलिका दहन में गोबर से बने उपलों का उपयोग करने और गौशालाओं का निर्माण करने के लिए गाय के गोबर के साथ बायोगैस संयंत्र लगाने की भी अपील की।

दूसरी ओर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद एम आरिफ ने सरकार से मांग की है कि 14 फरवरी को 'काऊ हग डे' मनाने की भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की सलाह को वापस लिया जाना चाहिए। माकपा सांसद ने लोकसभा में कहा कि पशु कल्याण बोर्ड ने 'गौमाता को हग करने' का दिन मनाने का सुझाव दिया है। आरिफ ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि हजारों आरएसएस और भाजपा कार्यकर्ता इसका अनुसरण करेंगे।'' सांसद ने व्यंग्यात्मक अंदाज में यह भी कहा कि वित्त मंत्री को पशुधन विभाग के आवंटन में कुछ राशि और जोड़नी चाहिए जो ''गाय को गले लगाने के दौरान चोटिल होने वाले कार्यकर्ताओं के इलाज में काम आएगी।'' उन्होंने कहा कि सरकार को उनकी ''इस राय पर अमल करना चाहिए या ऐसा संभव नहीं है तो फिर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को केंद्रीय पशुपालन विकास मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला पर इस तरह के नोटिस को वापस लेने का दबाव बनाना चाहिए।''

उधर, भारत में भले काऊ हग डे को लेकर तमाम तरह के मीम्स बन रहे हैं लेकिन हम आपको बता दें कि पश्चिमी देशों में यह कोई नई बात नहीं है। वहां तनाव और उच्च रक्त चाप से राहत पाने के लिए लोग गाय को गले लगाते हैं। इसके लिए अमेरिका में बड़े-बड़े फॉर्म हाउसों में आयोजन भी किये जाते हैं ताकि लोग आकर गाय को गले लगा सकें। इस बारे में कई अध्ययन भी सामने आये हैं जिनसे पता चलता है कि गाय की धीमी धड़कन, उसके शरीर का गर्म तापमान और उसके शरीर के बड़े आकार के कारण जब कोई इंसान गाय को गले लगाता है तो उसे सुखद अनुभूति मिलती है। अध्ययनों से सामने आया है कि गाय को गले लगाने से रक्तचाप कम होता है और हृदय की गति भी संतुलित होती है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो विभिन्न अध्ययनों के हवाले से यहां तक कहा गया है कि मानसिक बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए गाय को गले लगाना काफी लाभदायक होता है। जहां तक गौमूत्र और गोबर से मानव जीवन को होने वाले आर्थिक और औषधीय लाभों की बात है तो भारत में तो इस बात को लोग प्राचीन काल से मानते ही हैं और अब पूरा विश्व भी इसे मान रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की शिकायत के बाद डो मौलाना साजिद रशीदी, मांगी माफी

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कभी राम मंदिर, कभी सोमनाथ मंदिर को लेकर भड़काऊ बयानबाजी करने वाले मौलाना साजिद रशीदी को कानूनी कार्यवाही का डर सताते ही अपनी टिप्पणी के लिए माफी माफी मांग ली है। दरअसल मौलाना साजिद रशीदी ने अपने बयान में कहा था कि महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर का तोड़कर अच्छा काम किया था। वहां गलत काम होते थे। गजनवी को पता चला कि सोमनाथ मंदर में आस्था के नाम पर गलत काम हो रहे हैं का वीडियो देखा है, जिसमें वह सोमनाथ मंदिर के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। मौलाना की टिप्पणी से सोमनाथ के श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसलिए सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा मौलाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। एफआईआर दर्ज होते ही मौलाना के होश ठिकाने आ गए और उन्होंने माफी मांग ली। मौलाना कहा कि उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने इतिहासकार

मांग ली है। मुस्लिम धर्मगुरु और ऑल इंडिया ईमाम एसोसिएशन के प्रमुख मौलाना साजिद रशीदी सोमनाथ मंदिर पर विवादित बयान देकर फंस गई है। मौलाना के खिलाफ सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जिसके बाद मौलाना की सिट्टी पिट्टी गुम हो गई और उन्होंने अपने बयान के लिए और युवतियों को गायब किया जा रहा है। यह जानने के बाद महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर तोड़ दिया था। इस बयान के बाद सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक वी चावडा की शिकायत पर मौलाना साजिद रशीदी केखिलाफ एफआईआर दाखिल की गई है। वी चावडा ने कहा कि उन्होंने मौलाना साजिद रशीदी रोमिला थापर को पढ़ा था और उसके आधार पर टिप्पणी की थी। अपनी टिप्पणी के लिए मैं सोमनाथ मंदिर के ट्रस्टियों से माफी मांगता हूं, मेरा उद्देश्य किसी की आस्था को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने कहा कि मुसलमानों ने 800 साल राज किया था और मंदिरों के लिए जमीन दान में दी थी और सौंदर्यीकरण किया था।

नौकरी लालच देकर 4 लाख से अधिक ठगने वाले गरोह का एक और आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में युवक को नौकरी की लालच देकर चार लाख रूपए से अधिक रकम की ठगी करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को सूरत पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।दिल्ली से गिरफ्तार आरोपी जितेन्द्र साहू को सूरत लाकर पुलिस ने अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ शुरू की है। जानकारी के मुताबित सूरत में डाइंग और प्रिन्टिंग मिल में बतौर सुपरवाइजर काम करने वाला राकेश पाटिल अच्छी नौकरी की तलाश में था और इसके लिए उसने सोशल मीडिया पर अपना बायोडेटा रखा था। एक कंपनी ने राकेश का बायोडेटा देख उसे मेइल और फोन किया था। सेमसंग इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम से राकेश पाटिल को सिलेक्शन का मैसेज मिला। जिसके बाद अलग अलग लोगों ने राकेश को फोन किया। जिसमें एचआर के नाम से एक युवक ने राकेश को फोन किया और ऑनलाइन इंटरव्यू देने को कहा। हांलाकि बाद में ऑनलाइन नहीं बल्कि ऑफलाइन राकेश का इंटरव्यू लिया और कहा गया कि उसका सिलेक्शन हो गया है। साथ ही कहा गया है कि कॉल लेटर कूरियर के जरिए भेजा जाएगा, जिसका चार्ज उसे चुकाना होगा। राकेश चार्ज देकर कूरियर रिसीव किया, लेकिन उसमें कॉल लेटर नहीं था। बाद में कंपनी से फोन आया कि कूरियर भेजने में गलती हो गई है और दोबारा कूरियर भेजा। जिसके बाद कंपनी के कर्मचारी के नाम से बैंक एकाउंट खुलवाने के लिए भी राकेश से ठग गिरोह रूपए ऐंठ लिए। इस प्रकार विभिन्न चार्ज के नाम पर ठग गिरोह ने राकेश पाटिल से रु 4.20 लाख ठग लिए। जिसके बाद राकेश को फोन करने वाले सभी शख्सों को फोन स्वीच ऑफ हो गए। इस पर राकेश ने 8 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। इस मामले में पुलिस ने पहली दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एक और आरोपी जितेन्द्र साहू को सूरत की डिंडोली पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

भारी वाहनों के शहर में प्रवेश को लेकर भाजपा विधायक ने ट्रैफिक डीसीपी से किए सवाल

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भाजपा विधायक कुमार कानाणी ने फिर एक बार लेटर बम फोड़ा है। पहले महानगर पालिका को अब ट्रैफिक के मुद्दे पर पुलिस से सवाल किए हैं। कुमार कानाणी ने प्रतिबंधित समय के दौरान भारी वाहनों के सूरत शहर में प्रवेश करने पर सवाल उठाते हुए इसे पुलिस आयुक्त की अधिसूचना का उल्लंघन बताया। इस मुद्दे पर कुमार कानाणी ने सूरत शहर ट्रैफिक डीसीपी को पत्र लिख प्रतिबंधित समय के दौरान भारी वाहनों के शहर में प्रवेश के खिलाफ शिकायत की है। सूरत पुलिस आयुक्त की अधिसूचना के मुताबिक शहर में सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक लक्जरी बसों के प्रवेश पर प्रतिबंध है। अन्य भारी वाहनों के लिए सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक प्रवेश पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद लक्जरी बसों समेत अन्य भारी वाहन पुलिस आयुक्त की अधिसूचना का उल्लंघन कर रहे हैं। लेकिन पुलिस द्वारा ऐसे वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती। कुमार कानाणी ने आरोप लगाया कि भारी वाहन चालक बेखौफ होकर प्रतिबंधित समय के दौरान सूरत शहर में ड्राइव करते हैं। फिर पुलिस की ओर से भारी वाहन चालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जाती। ट्रैफिक डीसीपी को लिखे पत्र में भाजपा विधायक कुमार कानाणी ने 7 दिन के भीतर जवाब मांगा है कि आखिर प्रतिबंधित समय के दौरान शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर कोई कार्यवाही क्यों नहीं की जाती ?

नाबालिग लड़की की हत्या के बाद भावनगर वरल गांव पुलिस छावनी में तब्दील, 6 गिरफ्तार

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर,जिले के वरल गांव में मामूली बात को लेकर 16 वर्षीय एक नाबालिग लड़की की हत्या कर दी गई। नाबालिग लड़की गांव के पूर्व सरपंच की भतीजी थी, जिसने अपने चाचा को बचाने के लिए जान गंवा दी। घटना के बाद गांव में सांप्रदायिक माहौल ना बिगड़े इसलिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को उतार दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया है। जानकारी के मुताबिक भावनगर जिले की सिरोह तहसील के वरल गांव में टावर का काम चल रहा है। गुरुवार की रात करीब 10 बजे वरल गांव निवासी आरिफ अलारखा ट्रेक्टर लेने गया था। जहां वरल गांव के पूर्व सरपंच लश्करभाई माधाभाई बारैया और आरिफ के बीच कहा-सुनी हुई थी। आरिफ के साथी भी लश्करभाई से भिड़ गए। यह टकराव इतना बढ़ गया कि आवेश में आकर आरिफ ने चाकू निकाला और लश्करभाई पर हमला करने दौड़ पड़ा। उस वक्त लश्करभाई के भाई जगदीशभाई बारैया की बेटी राधिका बारिया भी वहां मौजूद थी, जो अपने चाचा और आरिफ के बीच आ गई। आरिफ ने चाकू राधिका बारिया को घोंप दिया। जिसमें राधिका की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद लोगों में आक्रोश भड़क उठा। माहौल बिगड़े इससे पहले पूरा गांव पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

साथ ही पुलिस ने बिना किसी विलंब के 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया।